हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 33 ● भिलाई, गुरुवार 20 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### बड़ा बाजार के पोस्ता में ढहा तीन मंजिला इमारत का हिस्सा

**कोलकाता।** महानगर कोलकाता के वृहत्तर बड़ा बाजार को जोड़ा बागान इलाके के बाद एक ही दिन दो इमारतों के ढ़हने की घटना से आई-गई सरकारों के मंसूबों की पोल खुल गई है और व्यवस्था पर सवाल खड़े हों गए हैं। जोड़ा बागान के बाद अब बड़ा बाजार के पोस्ता थाना क्षेत्र में दो मंजिला मकान का एक हिस्सा अचानक ढह गया। घटना 4 नं. सिकदार पाड़ा लेन की है। लाल बाजार पुलिस मुख्यालय ने भी आज शाम को उक्त हादसे की भी पुष्टि की। लाल बाजार पुलिस मुख्यालय के अनुसार बोरो चार के वार्ड 23 स्थित सिकदर पाड़ा लेन में तीन तल्ला इमारत आज धराशाई हो गई। इमारत के सामने का हिस्सा ताश के पत्तों की तरह ढह गया। हादसे में पुलिस ने किसी के हताहत होने की खबर से इंकार किया है। बताया जा रहा है कि मकान की सीढ़ियों के सामने का हिस्सा टूटकर गिर पड़ा। इसके कारण घर में मौजूद लोगों के बाहर निकलने का रास्ता प्रभावित हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने दूसरा एक्सेस प्वाइंट तैयार कर मकान में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

### विशाखापत्तनम जा रही इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

**हैदराबाद।** राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (शमशाबाद यानी हैदराबाद) से विशाखापत्तनम जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 208 को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। अधिकारियों को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद विमान की व्यापक जांच शुरू कर दी गई। जानकारी के अनुसार, शमशाबाद-विशाखापत्तनम इंडिगो फ्लाइट 208 को लेकर बम की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई की। सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विमान की गहन तलाशी ली जा रही है और हर पहलू की सावधानीपूर्वक जांच की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। यात्रियों और विमान से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

**मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला**

# 13,000 करोड़ से होगा रेल,सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के आर्थिक विकास को गति देने और 'पीएम गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान' के तहत मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के लिए केंद्र सरकार ने बुनियादी ढांचे में बड़ा निवेश किया है। लॉजिस्टिक्स लागत को घटाने, औद्योगिक कॉरिडोर को बंदरगाहों से जोड़ने और यात्री ट्रेनों के समयबद्ध संचालन के लिए रेल नेटवर्क के मल्टी-ट्रैकिंग और आधुनिक राजमार्गों के विस्तार की आवश्यकता लंबे समय से थी। इसी रणनीति के तहत केंद्रीय कैबिनेट ने पूर्वी भारत, दक्षिणी राज्यों और भारत-नेपाल सीमावर्ती इलाकों के लिए कई बड़ी इंफ्र परियोजनाओं पर अंतिम मुहर लगाई है। ओडिशा, बंगाल और दक्षिण भारत में तीसरी और चौथी रेल लाइन की मंजूरी केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में रेल नेटवर्क के विस्तार और भारी ट्रैफिक वाले रेल मार्गों पर कंजेशन घटाने के लिए प्रमुख मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इसके तहत पश्चिम बंगाल और ओडिशा के बीच खड़गपुर-भद्रक (रणिताल) चौथी लाइन परियोजना 3,352 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होगी। इसी क्रम में भद्रक-हरिदासपुर चौथी लाइन के विस्तार पर 1,583 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं दक्षिण भारत में कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए गुम्मिडिपूंडी-गुडूर के बीच तीसरी और चौथी लाइन के निर्माण पर 2,229 करोड़ रुपये का निवेश होगा। ओडिशा के प्रमुख औद्योगिक और तटीय क्षेत्रों को मजबूती देने के लिए

कटक-पारादीप रेल खंड पर तीसरी और चौथी लाइन परियोजना को 2,286 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। इस परियोजना से पारादीप बंदरगाह तक कोयला, कच्चा माल और औद्योगिक उत्पादों की आवाजाही बेहद सुगम होगी। रेलवे लाइनों के इस चौगुनीकरण और मल्टी-ट्रैकिंग से मालगाड़ियों की औसत गति में उल्लेखनीय सुधार होगा और बंदरगाहों से अंतर्देशीय बाजारों तक माल ढुलाई की लागत में बड़ी कमी आएगी। सड़क परिवहन के मोर्चे पर कैबिनेट ने बिहार में मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए सोनबरसा (भारत-नेपाल सीमा) तक चार-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है। इस रणनीतिक सड़क परियोजना पर कुल 3,591 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह फोर-लेन कॉरिडोर उत्तर बिहार के सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने के साथ-साथ भारत और नेपाल के बीच सीमा पार व्यापार और धार्मिक-सांस्कृतिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। पीएम गति शक्ति के तहत स्वीकृत ये परियोजनाएं न केवल विभिन्न राज्यों के बीच निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करेंगी, बल्कि निर्माण और संचालन के दौरान लाखों मानव-दिवस के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर भी पैदा करेंगी। इसके अतिरिक्त, सड़क से रेल मार्ग पर माल ढुलाई के शिफ्ट होने से ईंधन की भारी बचत होगी। और देश के कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आएगी, जो भारत के नेट-जीरो उत्सर्जन लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार साबित होगा।

#### कुल निवेश और इसका महत्व

इन सभी रेल और सड़क परियोजनाओं को मिलाकर कुल निवेश 13,041 करोड़ रुपये से अधिक है। इस बड़े पैमाने पर किया गया निवेश न केवल देश के विभिन्न हिस्सों को बेहतर ढंग से जोड़ेगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और औद्योगिक विकास को गति देगा। यह कदम 'गति शक्ति' जैसे राष्ट्रीय अवसंरचना मास्टर प्लान के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। यह निर्णय देश के आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। इन परियोजनाओं के समय पर पूरा होने से माल और यात्रियों की आवाजाही सुगम होगी, जिससे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। सरकार का लक्ष्य अवसंरचना के माध्यम से देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर रहना है।

**महुआ मोइत्रा की बढ़ी मुश्किलें!**

# महुआ के खिलाफ नदिया कोर्ट ने जारी किया गिरफ्तारी वारंट..

नई दिल्ली/ एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। एक शिकायत मामले में कृष्णानगर की तृतीय न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। नदिया जिला पुलिस अधीक्षक अतुल वी. ने इस बात की पुष्टि की है कि महुआ मोइत्रा के खिलाफ वारंट जारी किया गया है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, यह मामला भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 227 के तहत दायर शिकायत मामले से जुड़ा है। अदालत ने शिकायत की सुनवाई के दौरान महुआ मोइत्रा को कई बार समन जारी किया था। हालांकि, निर्धारित प्रक्रिया के तहत समन के बाद भी अदालत में उपस्थिति नहीं होने पर अब न्यायालय ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया है। पुलिस के अनुसार, शिकायत मामले में महुआ मोइत्रा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की कई धाराएं लगाई गई हैं, जिसमें धारा 79: महिला की मर्यादा का अपमान करना, धारा 196: विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देना, धारा 299: धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के उद्देश्य से किए गए जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कृत्य, धारा 351: आपराधिक धमकी, धारा 353(2): सार्वजनिक अशांति फैलाने या लोक व्यवस्था प्रभावित करने वाले बयान देना अथवा उनका प्रसार करना शामिल हैं। नदिया जिला पुलिस अधीक्षक अतुल वी. ने कहा कि शिकायत मामले में अदालत की ओर से निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया है ।

### पत्नी की हत्या के बाद पति ने की खुदकुशी की कोशिश

**जलपाईगुड़ी।** जिले के राजगंज ब्लॉक के अमबाड़ी के भोटपाड़ा इलाके में पत्नी की कथित हत्या के बाद पति द्वारा आत्महत्या की कोशिश का सनसनीखेज मामला मंगलवार को सामने आया है। बताया जा रहा है कि दंपत्ति की शादी करीब छह महीने पहले ही हुई थी। शादी के कुछ समय बाद से ही दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हल्दीबाड़ी निवासी भवतोष विश्वास की शादी राजगंज के बिन्नागुड़ी ग्राम पंचायत के अमबाड़ी भाटपाड़ा निवासी सोनाली विश्वास से करीब छह महीने पहले हुई थी।

**सत्येंद्र जैन को न्यायिक हिरासत में भेजा गया**

# 25 को मामले की सुनवाई करेगा राउज एवेन्यू कोर्ट...

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं, उनकी जमानत याचिका पर अदालत 25 अगस्त को सुनवाई करेगी। कोर्ट ने जमानत अर्जी पर एंटी करप्शन ब्रांच को नोटिस भी जारी किया है। एसीबी ने मंगलवार, 18 अगस्त को इस मामले में कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें से अंकित श्रीवास्तव को 2 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया, जबकि सत्येंद्र जैन समेत बाकी पांच आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। दिल्ली जल बोर्ड के पूर्व सीईओ और आईएएस अधिकारी उदित प्रकाश राय की जमानत याचिका पर गुरुवार, 20 अगस्त को सुनवाई होगी। एसीबी ने दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से जुड़े टेंडर में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामले में इन छह लोगों को गिरफ्तार किया है। एसीबी के मुताबिक, इस मामले में एफआईआर 11 मई 2024 को दर्ज की गई थी। केस में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अलावा धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। एसीबी का दावा है कि प्रस्तावित पायलट स्टडी नहीं कराई गई।

**तैयारियों को लेकर सीएस ने की समीक्षा**

# उपराष्ट्रपति एम्स के दीक्षांत समारोह में होंगे शामिल.....

रायपुर। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन रायपुर एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. 2 सितंबर को प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव विकास शील ने मंत्रालय में अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की. मुख्य सचिव विकास शील ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपराष्ट्रपति के दौरे के दौरान एयरपोर्ट से एम्स तक आने-जाने के दौरान सुरक्षा, ट्रैफिक और एंट्री-एग्जिट प्लान को बेहतर तरीके से तैयार करने को कहा गया. इस कड़ी में एयरपोर्ट और कार्यक्रम स्थल पर पुलिस की पर्याप्त तैनाती भी सुनिश्चित करने को कहा गया है. दीक्षांत समारोह में बैठने की व्यवस्था भारत सरकार के प्रोटोकॉल और तय डायस प्लान के अनुसार की जाएगी. कार्यक्रम की शुरुआत वंदे मातरम् और राष्ट्रगान से होगी. एम्स प्रबंधन को भी समारोह से जुड़ी सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं.

### तारापीठ भीषण अग्निकांड में एक और गिरफ्तार

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल तारापीठ के एक होटल में हुए भीषण अग्निकांड मामले में पुलिस और प्रशासन का कड़ा रुख जारी है। पुलिस ने होटल 'विदेशिनी' के मुख्य मालिक प्रवीर पाल को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस हृदयविदारक हादसे में अब तक नौ लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई अन्य झुलसे हुए लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इससे पहले सोमवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए होटल मालिक के बेटे कल्याण पाल को हिरासत में लिया था। लंबी पूछताछ और अग्निशमन मानकों की अनदेखी के प्राथमिक सबूत मिलने के बाद देर रात उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया था।

**बच्चों की जान से खिलवाड़!**

# मिड-डे मील में मिली डामर गोली 28 छात्राओं की बिगड़ी तबीयत...

**बेमेतरा।** छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के आत्मानंद उत्कृष्ट कन्या शाला में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब स्कूल में परोसे गए मध्यान्ह भोजन में डामर की गोली मिलने की बात सामने आई। खाना खाने के बाद कई छात्राओं ने पेट दर्द की शिकायत की। मामला सामने आते ही स्कूल प्रबंधन में अफरा-तफरी मच गई और आनन-फानन में छात्राओं को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही जिला शिक्षा अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। फिलहाल 28 छात्राओं का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है। मामले में स्कूल के प्रधान पाठक ने बताया कि बच्चों ने

मध्यान्ह भोजन में डामर की गोली की स्मेल आने की जानकारी दी। इसके बाद बच्चों को खाना खाने से मना किया गया। उन्होंने बताया कि बच्चों को खाना खिलाने से पहले रसोइया से खाना खिलाकर उसकी जांच की जाती है। आज भी शासन के निर्देशानुसार एक रसोइया ने खाना खाकर जांच की थी। हालांकि, उनके द्वारा कुछ भी गड़बड़ नहीं होने की सूचना दी गई, जिसके बाद बच्चों ने खाना खाया। प्रधान पाठक ने बताया कि उन्होंने रसोइयों से बातचीत की तो रसोइया सावन मानिकपुरी ने बताया कि उनकी नातिन, जो स्कूल बहू के साथ आती है, उसके हाथ में फिनायल की एक छोटी सी गोली थी। हो सकता है कि वही गोली चावल में मिल गई हो। लेकिन रसोइया का कहना था कि उन्होंने भी खाना खाया था और उसमें ऐसा कुछ गड़बड़ नहीं लगा। फिलहाल सभी बच्चों की तबीयत ठीक है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर स्कूल में बच्चों के लिए तैयार किए जा रहे।

**भाजपा की आलोचना के बाद फिर गरमाया विवाद**

# वंदे मातरम के शुरुआती दो पैरा ही गाएगी कांग्रेस,पुराने रुख को दोहराते हुए फैसला किया-मल्लिकार्जुन खरगे....

नई दिल्ली/ एजेंसी

वंदे मातरम् को लेकर जारी राजनीतिक बहस के बीच कांग्रेस कार्यसमिति ने पार्टी के पुराने रुख को दोहराते हुए फैसला किया है कि कांग्रेस के कार्यक्रमों में राष्ट्रीय गीत के केवल पहले दो छंद ही गाए जाएंगे। बुधवार को हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई और नेताओं ने 1937 में पार्टी की ओर से लिए गए फैसले का हवाला दिया। कांग्रेस के मुताबिक, उसका मौजूदा फैसला अक्टूबर 1937 में राष्ट्रीय परिषद द्वारा पारित प्रस्ताव पर आधारित है। उस समय तय किया गया था कि राष्ट्रीय और सार्वजनिक सभाओं में 'वंदे मातरम्' के केवल शुरुआती दो छंद गाए जाएंगे। कांग्रेस का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा दक्षिण गोवा की एक सभा में वंदे मातरम् के कथित 'अधूरे' संस्करण के गायन को लेकर सवाल उठाए थे। खरगे ने अपने बचाव में कहा था कि उन्होंने वही वंदे मातरम् गाया है, जिसे महात्मा गांधी,

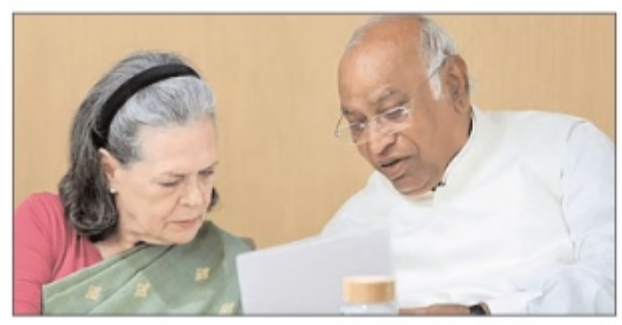

जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं ने गाया था। उन्होंने भाजपा पर कांग्रेस के ऐतिहासिक फैसलों की जानकारी नहीं होने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने उनके जन्म से पहले ही राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया था और वह पिछले करीब 80 वर्षों से चली आ रही परंपरा के मुताबिक ही चल रहे हैं। इस फैसले की जड़ 1937 के कांग्रेस के निर्णय में है। दरअसल, वंदे मातरम् के पूरे संस्करण को लेकर उस समय भी बहस हुई थी। चर्चा का प्रमुख मुद्दा यह था कि अलग-अलग धार्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों वाली राष्ट्रीय सभाओं में गीत के सभी छंदों का इस्तेमाल किस तरह किया जाए। 'वंदे मातरम्' की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी। बाद में इसे उनके उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। गीत के शुरुआती दो छंदों में मातृभूमि की स्तुति की गई है, जबकि बाद के हिस्सों में धार्मिक और पौराणिक प्रतीकों का उल्लेख आता है। कांग्रेस के ऐतिहासिक विवरण के अनुसार, 1937 में इस मुद्दे पर रवींद्रनाथ टैगोर से भी सलाह ली गई थी। जवाहरलाल नेहरू को लिखे उनके पत्र में टैगोर ने शुरुआती दो छंदों को व्यापक और समावेशी राष्ट्रीय गीत के रूप में उपयुक्त माना था।

**राजनीति की सफाई का सुपर फार्मूला**

# 1 साल में होगा दागी नेताओं के केस का फैसला-सुप्रीम..

**नई दिल्ली।** भारतीय राजनीति में अपराधीकरण एक ऐसा शब्द है जिस पर दशकों से बहस होती आई है, लेकिन अब इस पर लगाम कसने के लिए एक ठोस रणनीति तैयार की गई है। सुप्रीम कोर्ट में सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों को जल्द निपटाने के लिए एक मास्टर प्लान पेश किया गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता और एमिकस क्यूरी विजय हंसारिया ने अपनी रिपोर्ट में सुझाव दिया है कि नेताओं के मुकदमों का फैसला अब सालों तक नहीं लटकेगा, बल्कि इसके लिए एक साल की समय-सीमा तय की जा सकती है। राजनीति

में रसूख का असर अदालती कार्यवाही पर न पड़े, इसके लिए एमिकस क्यूरी ने जो आंकड़े पेश किए हैं, वे चौंकाने वाले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान और पूर्व सांसदों-विधायकों के खिलाफ कुल 4,192 आपराधिक मामले विभिन्न अदालतों में लंबित हैं।

# डिग्री-डिप्लोमा प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए शुरू हुई अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप

## कलेक्टर ने अधिक से अधिक पात्र छात्राओं तक योजना का लाभ पहुंचाने के दिए निर्देश

**बेमेतरा।** उच्च शिक्षा में जरूरतमंद छात्राओं को आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से अजीम प्रेमजी फाउंडेशन द्वारा ÷अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप÷ शुरू की गई है। योजना के तहत पात्र छात्राओं को उनके स्नातक पाठ्यक्रम की पूरी अवधि तक हर वर्ष 30 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। आज कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं की उपस्थिति में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के जिला समन्वयक ने योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले की अधिक से अधिक पात्र छात्राओं तक योजना की जानकारी पहुंचाई जाए, ताकि आर्थिक कठिनाइयों के कारण किसी छात्रा की उच्च शिक्षा प्रभावित न हो। फाउंडेशन के अनुसार, छात्रवृत्ति की राशि का उपयोग ट्यूशन फीस, किताबें, परिवहन तथा शिक्षा से जुड़े अन्य आवश्यक खर्चों के लिए किया जा सकता है।

**ये छात्राएं कर सकती हैं आवेदन-** शैक्षणिक सत्र 2026-27 में डिग्री अथवा डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में नियमित छात्रा के रूप में प्रवेश लेने वाली छात्राएं आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों परीक्षाएं सरकारी स्कूल से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। आवेदिका छत्तीसगढ़ सहित निर्धारित 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में से किसी एक की निवासी होनी चाहिए। छात्रा ने भारत के किसी सरकारी अथवा विश्वसनीय निजी कॉलेज/विश्वविद्यालय में किसी मान्यता प्राप्त स्नातक डिग्री या डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया हो। पाठ्यक्रम की अवधि 2 से 5 वर्ष तक हो सकती है।

**31 अगस्त तक कर सकेंगे प्रथम चरण में आवेदन-** छात्रवृत्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क और ऑनलाइन है। प्रथम चरण के आवेदन 10 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक किए जा सकेंगे। वहीं दूसरे चरण के आवेदन 10 जनवरी से 31 जनवरी 2027 तक निर्धारित हैं। इच्छुक छात्राएं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं।

**आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज-** आवेदन के दौरान छात्राओं को स्पष्ट रंगीन स्कैन कॉपी पीडीएफ/जेपीजी/पीएनजी फॉर्मेट में अपलोड करनी होगी। फाइल का आकार 30 केबी से 500 केबी के बीच होना चाहिए। आवश्यक दस्तावेजों में पिछले छह माह की पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण (पासबुक अथवा एक माह का बैंक स्टेटमेंट), कक्षा 10वीं की मूल अंकसूची, कक्षा 12वीं की मूल अंकसूची तथा प्रवेश का प्रमाण जैसे बोनाफाइड प्रमाणपत्र अथवा ट्यूशन फीस रसीद शामिल हैं।

**पिछले वर्ष बेमेतरा की 1050 छात्राओं का हुआ चयन-** अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के जिला समन्वयक ने बताया कि पिछले वर्ष बेमेतरा जिले से 1050 छात्राओं का अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप के लिए चयन हुआ था। इस वर्ष चयनित छात्राओं की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने ऐसे कॉलेजों, जहां पिछले वर्ष अपेक्षाकृत कम छात्राओं का चयन हुआ है, वहां योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया।

**हेल्पलाइन से ले सकती हैं जानकारी-** आवेदन अथवा योजना से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए छात्राएं अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप व्हाट्सऐप हेल्पलाइनः +91 90199 60536 पर संपर्क कर सकती हैं। यह छात्रवृत्ति विशेष रूप से ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा जारी रखने में महत्वपूर्ण सहारा बन सकती है। जिला प्रशासन ने पात्र छात्राओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन कर योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

# जिले में सुगम यातायात और सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त, ब्लैक स्पॉट सुधार के दिए निर्देश

**बेमेतरा।** जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण, यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं एवं पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। बैठक में सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य, लोक निर्माण विभाग, परिवहन, स्वास्थ्य, नेशनल हाईवे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

**सुगम यातायात व्यवस्था बनाने पर विशेष जोर-** कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि जिले में बढ़ते वाहनों के दबाव को देखते हुए यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए प्रशासन के साथ नागरिकों का सकारात्मक सहयोग भी आवश्यक है। उन्होंने शहर के मुख्य बाजार, बस स्टैंड तथा स्कूल-कॉलेजों के सामने नो पार्किंग जोन को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। अवैध पार्किंग के विरुद्ध नगर पालिका एवं पुलिस को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने कहा गया। सभी स्कूलों के 200 मीटर के दायरे में स्पीड ब्रेकर, ÷स्कूल आगे है÷ संकेतक बोर्ड तथा ट्रैफिक वॉलंटियर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने स्कूल बसों की फिटनेस जांच एवं चालकों के सत्यापन को अनिवार्य करने के साथ ही स्कूली बच्चों द्वारा वाहन चलाकर स्कूल आने पर पूर्ण प्रतिबंध का पालन सुनिश्चित करने कहा। सड़कों के किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने, सड़क पर घूमने वाले आवारा मवेशियों को हटाने तथा सड़क किनारे अवैध रूप से व्यापार करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात पुलिस की ड्यूटी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

**दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सख्त कार्रवाई-** पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जनजागरूकता के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने जिले में पिछले तीन माह में हुई सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति की समीक्षा की। दुर्घटनाओं के पीछे तेज गति से वाहन चलाना, शराब के नशे में वाहन चलाना, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग नहीं करना तथा गलत दिशा में वाहन चलाना प्रमुख कारण हैं।

# कलेक्टर ने की जिले के प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा

**सारंगढ़-बिलाईगढ़।** कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने कलेक्ट्रेट सभागार में समय -सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में सभी विभागों के जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों के कार्यों एवं प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने विभागवार लंबित कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के तीनों जनपद क्षेत्रों में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधूरे निर्माण कार्यों में तेजी लाते हुए उन्हें जल्द से जल्द पूर्ण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। अटल डिजिटल सुविधा केंद्र भवन के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

इसी तरह कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त एवं लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सारंगढ़ नगरपालिका क्षेत्र में बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों की समस्या पर भी संज्ञान लिया। उन्होंने मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) को क्षेत्र में बंद पड़ी लाइटों, नाली व्यवस्था का सुचारु मॉनिटरिंग कर उन्हें जल्द से जल्द ठीक कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं एवं जनहित से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

# सतनाम धाम में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई राजा गुरु बालक दास जी की जन्म जयंती

**बेमेतरा।** बहु नवागांव रोड स्थित गुरु बालक दास स्मृति स्थल सतनाम धाम में सतनाम पंथ के प्रवर्तक प्रातः स्मरणीय संत गुरु घासीदास जी के द्वितीय पुत्र महान प्रतापी, शूरवीर एवं बलिदानी राजा गुरु बालक दास जी की जन्म जयंती मंगलवार, 18 अगस्त को सामाजिक लोगों एवं अनुयायियों द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई।कार्यक्रम की शुरुआत राजा गुरु बालक दास जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें नमन करने के साथ हुई। इसके पश्चात स्मृति स्थल पर स्थापित जोड़ा श्वेत खांब पर विधिवत पालो चढ़ाकर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए।इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों एवं अनुयायियों ने राजा गुरु बालक दास जी के जीवन, संघर्ष, साहस, सामाजिक चेतना एवं समाज के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान सतनाम पंथ की परंपराओं एवं गुरु बालक दास जी के विचारों को आगे बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। जन्म जयंती समारोह में बड़ी संख्या में सामाजिकजन एवं गुरु बालक दास जी के अनुयायी उपस्थित रहे।

# बेमेतरा में 20 अगस्त को रोजगार मेले का आयोजन, 500 से अधिक पदों पर भर्ती का अवसर

**बेमेतरा।** जिले के ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो निजी क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करना चाहते हैं, उनके लिए अच्छी खबर है। युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई), बेमेतरा में 20 अगस्त 2026, दिन गुरुवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में विभिन्न निजी क्षेत्र की संस्थाओं द्वारा 500 से अधिक विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी।जिला रोजगार कार्यालय द्वारा निजी क्षेत्र के नियोजकों एवं रोजगार के इच्छुक आवेदकों के बीच एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाता है। रोजगार मेले के माध्यम से होने वाली नियुक्तियां निजी क्षेत्र की संस्थाओं में रोजगार के लिए होंगी। विभिन्न पदों के लिए निर्धारित योग्यता, कार्य की प्रकृति, वेतनमान, संस्था एवं अन्य आवश्यक जानकारी अभ्यर्थियों को रोजगार मेले में उपस्थित नियोजक अथवा उनके प्रतिनिधियों से प्राप्त होगी।रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थी अधिसूचित रिक्त पदों पर अवसर प्राप्त करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों के साथ रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। अभ्यर्थियों को रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छत्तीसगढ़ निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र तथा समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य है। रोजगार मेला 20 अगस्त 2026 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, बेमेतरा में आयोजित होगा। जिला रोजगार कार्यालय ने निजी क्षेत्र में रोजगार की तलाश कर रहे जिले के इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

# कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं और पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने ली जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक

**बेमेतरा।** जिले को नशा मुक्त बनाने तथा अवैध मादक पदार्थों, शराब और नशीली दवाओं की तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से जिला स्तरीय नार्को कोऑर्डिनेशन समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं एवं पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने की। बैठक में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा जनजागरूकता बढ़ाने को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

**नशे के खिलाफ अपनाई जाएगी जीरो टॉलरेंस की नीति-** कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने कहा कि ÷नशा मुक्त भारत अभियान÷ को जिले में जनआंदोलन का स्वरूप देना होगा। नशा व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार को प्रभावित करता है और समाज तथा युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

**अवैध शराब और मादक पदार्थों पर होगी कार्रवाई-** बैठक में अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम को लेकर आबकारी एवं पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री तथा गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की तस्करी के संभावित ठिकानों पर नियमित रूप से छापेमारी करने और अंतरजिला सीमाओं पर सघन जांच एवं निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

**स्कूल-कॉलेजों में चलेगा विशेष जागरूकता अभियान-** शिक्षा विभाग के माध्यम से जिले के स्कूलों एवं कॉलेजों में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें व्याख्यान, पोस्टर प्रतियोगिता, शपथ कार्यक्रम सहित विभिन्न गतिविधियां शामिल होंगी। विद्यालय परिसरों में नशा मुक्ति क्लब गठित करने पर भी जोर दिया गया, ताकि विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा सके।

**नशा मुक्ति केंद्रों को किया जाएगा सक्रिय-** स्वास्थ्य विभाग को जिले में संचालित नशा मुक्ति केंद्रों को और अधिक सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। नशे की लत से प्रभावित लोगों की पहचान कर उन्हें काउंसलिंग एवं उपचार के लिए प्रेरित करने को कहा गया। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं एवं परिवारों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

**सोशल मीडिया और ऑनलाइन गतिविधियों पर भी निगरानी-** नशीली दवाओं की ऑनलाइन बिक्री तथा सोशल मीडिया के माध्यम से नशीले पदार्थों के प्रचार-प्रसार पर भी कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। साइबर सेल को संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों की निगरानी कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया।

# भिनोदा के रत्नेश लहरे ने कॉम्बैट चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक!

**सारंगढ़-बिलाईगढ़।** मेहनत, लगन और अनुशासन के दम पर ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएं भी बड़े मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं। इसका शानदार उदाहरण ग्राम भिनोदा, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ निवासी रत्नेश लहरे ने पेश किया है। रत्नेश ने wnd Combat State Championship-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे भिनोदा गांव के साथ-साथ परिवार और विद्यालय में खुशी का माहौल है। रत्नेश लहरे वर्तमान में Delhi Public School, Raigarh में अध्ययनरत हैं। विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी रत्नेश लगातार मेहनत कर अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं। 16 अगस्त 2026 को दिल्ली पब्लिक स्कूल रायगढ़ में आयोजित राज्य स्तरीय कॉम्बैट चैंपियनशिप में रत्नेश ने अंडर-13 आयु वर्ग के 46 किलोग्राम वजन वर्ग में हिस्सा लिया और अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। रत्नेश की इस सफलता को केवल एक पदक के रूप में नहीं, बल्कि गांव की मिट्टी से निकली प्रतिभा की बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। भिनोदा जैसे ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल करना निश्चित रूप से गांव के लिए गौरव की बात है। रत्नेश ने अपनी सफलता से यह संदेश दिया है कि सही मार्गदर्शन, निरंतर अभ्यास और परिवार के प्रोत्साहन से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी किसी भी बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकते हैं। रत्नेश की सफलता में उनके परिवार का सहयोग और प्रोत्साहन भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। परिवार ने उनकी पढ़ाई के साथ खेल के प्रति रुचि को प्रोत्साहित किया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए लगातार हौसला दिया। रत्नेश की उपलब्धि से परिवार के सदस्यों में विशेष उत्साह है और वे भविष्य में उसे खेल के क्षेत्र में और आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। वहीं Delhi Public School, Raigarh के लिए भी यह उपलब्धि गर्व का विषय है।

## लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के दिए सख्त निर्देश, लापरवाही बरतने पर कार्रवाई की चेतावनी

# कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने की शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा

**बेमेतरा।** जिले में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन तथा लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण को लेकर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने बीते मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की बिंदुवार समीक्षा की और विभागवार प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ बिना किसी असुविधा के समय पर पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को मैदानी स्तर पर सक्रिय रहकर योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा हितग्राहियों से सीधे संवाद करने के निर्देश दिए।

**योजनावार की गई गहन समीक्षा-** बैठक में केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की स्थिति की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन हितग्राहियों को प्रथम किस्त जारी हो चुकी है, उनके आवास निर्माण को प्राथमिकता से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि प्रथम किस्त प्राप्त हितग्राहियों के आवासों का निर्माण निर्धारित समय में पूर्ण कराकर नियमानुसार द्वितीय एवं तृतीय किस्त जारी करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही लंबे समय से अधूरे पड़े आवासों को चिन्हित कर उनके शीघ्र पूर्ण होने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए।

**स्वास्थ्य सेवाओं एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा-** कलेक्टर ने आयुष्मान भारत योजना के तहत शेष पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया। महतारी वंदन योजना तथा वृद्धावस्था, विधवा सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी पात्र हितग्राहियों को नियमित रूप से भुगतान सुनिश्चित करने कहा।उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लंबित ई-केवाईसी एवं भूमि सत्यापन के कार्य को अभियान चलाकर शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। मनरेगा के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने मजदूरी भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होने देने के निर्देश दिए।

**राजस्व प्रकरणों एवं जनशिकायतों के निराकरण पर विशेष जोर-** कलेक्टर ने राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, खसरा नकल सहित आम नागरिकों से सीधे जुड़े प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व संबंधी मामलों में अनावश्यक विलंब न हो और प्रकरणों का निराकरण पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ किया जाए।उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम एवं जनदर्शन के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी लंबित आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए। पोर्टल पर गलत अथवा अधूरी जानकारी दर्ज करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र सहित अन्य लोक सेवा से जुड़े प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ अधिकतम 15 दिवस के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

**विद्युत, पीएचई एवं लोक निर्माण विभाग की शिकायतों का त्वरित निराकरण-** कलेक्टर ने विद्युत विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं लोक निर्माण विभाग से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का केवल औपचारिक निराकरण न किया जाए, बल्कि समस्या का स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि प्रकरणों के निराकरण में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए।

**शिक्षा, मध्यान्ह भोजन एवं नशा मुक्ति अभियान की समीक्षा-** कलेक्टर ने जिले के स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए शत-प्रतिशत परिणाम एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता की नियमित जांच करने तथा विद्यार्थियों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने कहा। इसके साथ ही उन्होंने जिले में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान को और गति देने तथा युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।

**फील्ड विजिट बढ़ाकर योजनाओं की करें निगरानी-** कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने सभी जिला अधिकारियों को नियमित रूप से मैदानी क्षेत्रों का भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति देखें और हितग्राहियों से संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी लें। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ अंतिम पंक्ति के पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

## संक्षिप्त समाचार

### सार्वजनिक स्थान पर चाकू लहराकर लोगों को डराने वाला आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** चिखली शराब भट्ठी के पास सार्वजनिक स्थान पर धारदार चाकू लहराकर आने-जाने वाले लोगों को डराने-धमकाने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक नग लोहे का धारदार चाकू बरामद कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, पुलिस को 17 अगस्त 2026 को सूचना मिली कि चिखली शराब भट्ठी के पास एक युवक हाथ में चाकू लेकर राहगीरों को डरा-धमका रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आरोपी को पकड़ा। आरोपी की पहचान सूरज पाठक उर्फ बउवा (24 वर्ष), पिता शंभू पाठक, निवासी शंकरपुर वार्ड नंबर 09, पुलिस चौकी चिखली, जिला राजनांदगांव के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक नग लोहे का धारदार चाकू बरामद किया गया। पुलिस ने चाकू को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक तत्वों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। कार्रवाई में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कैलाश चन्द्र मरई, प्रधान आरक्षक अरुण कुमार नेताम, महिला प्रधान आरक्षक वंदना पटले, आरक्षक आदित्य सोलंकी, चंद्रकपूर आयाम, गोपाल पैकरा, सुनील बैरागी सहित चौकी चिखली के पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

### पुरानी रंजिश में जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने के चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त गुप्ती भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, रामनगर गुढ़ियारी निवासी ठाकुर राम साहू टाइल्स फिटिंग का काम करता है। 15 अगस्त 2026 को उसका रूपेश दास मानिकपुरी उर्फ सोनू और मोहन दास मानिकपुरी के साथ विवाद हुआ था। विवाद के बाद दोनों ने उसे बाद में देख लेने की धमकी दी थी। 16 अगस्त की रात करीब 8:45 बजे प्रार्थी खाना खाने के बाद अपने घर से बाहर निकला। इसी दौरान रूपेश दास मानिकपुरी उर्फ सोनू और मोहन दास मानिकपुरी वहां पहुंचे और अश्लील गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। प्रार्थी द्वारा विरोध करने पर दोनों ने अपने पास रखे धारदार हथियार से उसकी हत्या करने की नीयत से वार कर उसे गंभीर चोट पहुंचाई और मौके से फरार हो गए। घटना की रिपोर्ट पर थाना गुढ़ियारी में अपराध क्रमांक 338/2026, धारा 296, 351(2), 109(1), 3(5) बीएनएस तथा 25, 26 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने आरोपियों की तत्काल पतासाजी और गिरफ्तारी के निर्देश दिए। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एवं चौकी प्रभारी रामनगर के नेतृत्व में रामनगर पुलिस की टीम ने आरोपियों के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी। पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने पुरानी रंजिश के कारण हमला करना स्वीकार किया। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त गुप्ती जब्त कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी 1. रूपेश दास मानिकपुरी उर्फ सोनू, पिता गुलाब दास मानिकपुरी, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम अकोली, थाना नांदघाट, जिला बेमेतरा। 2. मोहन दास मानिकपुरी, पिता स्व. गुलाब दास मानिकपुरी, उम्र 27 वर्ष, निवासी लक्ष्मण नगर, गली नंबर 03, मीणा किराना स्टोर्स के पास, रामनगर, थाना गुढ़ियारी, रायपुर। रायपुर पुलिस द्वारा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई करते हुए त्वरित गिरफ्तारी और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

### महिला यात्री का मोबाइल चोरी करने वाला रैपिडो चालक गिरफ्तार

**रायपुर।** पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र में महिला यात्री के दो मोबाइल फोन चोरी करने वाले रैपिडो चालक को पुलिस ने घटना के चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना पुरानी बस्ती पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए दो मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन और दोपहिया वाहन, कुल करीब 1.20 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, भीम नगर पुरानी बस्ती निवासी महिला ने थाना पुरानी बस्ती में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 16 अगस्त 2026 को शाम करीब 4:15 बजे उसने सिंचाई कॉलोनी, सिविल लाइन से रैपिडो एप के माध्यम से वाहन बुक किया था। वह शास्त्री चौक से आमापारा चौक होते हुए भीम नगर पहुंची। फल खरीदने के बाद फलों से भरा बैग भारी होने के कारण उसने उसे वाहन चालक के पैर के पास रख दिया था। बैग में उसके दो मोबाइल फोन भी रखे हुए थे। भीम नगर पहुंचने पर महिला वाहन से उतरकर सामान निकाल रही थी। इसी दौरान रैपिडो चालक वाहन लेकर वहां से फरार हो गया।

---

**माय भारत की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक**

# मुख्यमंत्री ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर दिया जोर...

- युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मकता से बनेगा विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय
- सशक्त युवा-सशक्त छत्तीसगढ़' के संकल्प के साथ ग्राम से राज्य स्तर तक तैयार होगा मजबूत युवा नेटवर्क

रायपुर/ संवाददाता

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है और युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा, रचनात्मकता तथा नवाचार की क्षमता ही विकसित भारत के निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। विकसित भारत के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करने के लिए युवाओं को उनकी रुचि और क्षमता के अनुरूप अवसर देकर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया से व्यापक रूप से जोड़ना होगा। युवाओं को सामाजिक एवं सामुदायिक गतिविधियों से जोड़ने से उनमें नेतृत्व क्षमता, सेवा भाव, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना मजबूत होगी।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित 'मेरा युवा भारत' (माय भारत) की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बैठक में माय भारत की गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को इस मंच से जोड़ने और विभिन्न विभागों की गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का प्रत्येक युवा विकास की मुख्यधारा से जुड़े और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। इसी उद्देश्य से 'मेरा युवा भारत' जैसे व्यापक मंच की



शुरुआत की गई है। प्रधानमंत्री युवाओं के विचारों, आकांक्षाओं और गतिविधियों में विशेष रुचि लेते हैं तथा युवा शक्ति को विकसित भारत के संकल्प का प्रमुख आधार मानते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का युवा तकनीक और डिजिटल माध्यमों के जरिए पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ है। उसकी सोच व्यापक है, उसमें नवाचार की क्षमता है और वह तेजी से बदलाव को आत्मसात कर सकता है। युवाओं की यही ऊर्जा सकारात्मक और राष्ट्रहित के कार्यों में लगे, इसके लिए उन्हें सही दिशा, अवसर और मंच उपलब्ध कराना आवश्यक है। आने वाले वर्षों में यही युवा देश और प्रदेश का नेतृत्व करेंगे, इसलिए उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के लिए अभी से सुनियोजित प्रयास किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा, खेल, पर्यावरण संरक्षण, सिविक सेंस, इतिहास, पर्यटन, कौशल विकास, कृषि, तकनीकी शिक्षा, आपदा प्रबंधन और सामाजिक कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं की भूमिका बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में युवा शक्ति का सहयोग उपयोगी हो सकता है, वहां माय भारत के माध्यम से उन्हें अवसर दिए जाएं। इससे एक ओर युवाओं को व्यावहारिक अनुभव मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उनकी ऊर्जा और रचनात्मकता का समाज और प्रदेश के हित में बेहतर उपयोग होगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने 'सशक्त युवा-सशक्त छत्तीसगढ़' की भावना के अनुरूप ग्राम से लेकर राज्य स्तर तक मजबूत समन्वय और युवा नेटवर्क विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभा को पहचानना, उन्हें अवसर देना और नेतृत्व के मंच उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। डिजिटल डिटॉक्स, सेवा भाव, सामाजिक जुड़ाव और सामुदायिक उत्तरदायित्व से संबंधित गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाए।

# छग में बदला मौसम का मिजाज जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

- अगले तीन दिन रहेगा प्रभाव,उत्तर छत्तीसगढ़ में भारी बारिश के आसार

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में झमाझम बारिश का दौर जारी है. मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के ज्यादातर भारी बारिश हो रही है। आज के लिए प्रदेश में एक-दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश और गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया के चलते छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदल गया है। राजधानी रायपुर में सुबह से आसमान में काले बादलों ने डेरा डालने दिया है। साथ ही बारिश भी हो रही है. सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन चुकी है। अगले 3 दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहने के आसार हैं। वहीं उत्तर छत्तीसगढ़ में भारी वर्षा हो सकती है। प्रदेश के अधिकांश स्थानों में वर्षा हुई, जबकि उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के एक-दो स्थानों में भारी वर्षा दर्ज की गई। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान पेण्ड्रा रोड में 32.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अब तक का मौसमी सब-डिविज़नल वर्षा सामान्य रही है, जिसमें -9त्न का अंतर है। राजधानी रायपुर में सुबह से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। हल्की बारिश से सड़कों पर जलभराव हो गया है। मौसम विभाग ने सोमवार को आसमान में बादल छाने के साथ बारिश की संभावना जताई है। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के तटों पर बना कम दबाव का क्षेत्र अब 15 अगस्त से उसी इलाके में एक अच्छी तरह से चिन्हित कम दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया है। इसके चलते अगले 24 घंटे में और मजबूत होकर अवदाब बनने की संभावना है। सिस्टम के प्रभाव से अगले तीन दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना जताई है.

### महिला को फोन पर गाली-गलौज और धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** महिला को फोन पर लगातार गाली-गलौज, धमकी और अपमानित करने के मामले में सिटी कोतवाली कांकेर पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी पिछले करीब एक वर्ष से पीड़िता को फोन कर परेशान कर रहा था और उसके पति के मोबाइल पर अश्लील फोटो भेजने की धमकी भी देता था। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी मोहसिन खान के पर्यवेक्षण में महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 15 जनवरी 2026 को पीड़िता ने सिटी कोतवाली कांकेर में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

**वनोपज राजकीय व्यापार अंतर्विभागीय समिति की 321 वीं बैठक**

# तेंदूपत्ता सहित वनोपज के बेहतर विपणन पर सरकार का जोर.......

रायपुर/ संवाददाता

वन मंत्री श्री केदार कश्यप की अध्यक्षता में आज वनोपज राजकीय व्यापार अंतर्विभागीय समिति की 321वीं बैठक आयोजित हुई। यह बैठक नया रायपुर स्थित मंत्री श्री कश्यप के निवास/ कार्यालय में आयोजित थी। बैठक में वर्ष 2026 में संग्रहित एवं गोदामीकृत तेंदूपत्तों के विक्रय के लिए द्वितीय चरण की कार्यवाही तथा वर्ष 2025 सीजन के क्रेता करारनामा समाप्त तेंदूपत्ता लॉट के विक्रय के लिए प्राप्त निविदाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुवा, वन बल प्रमुख श्री अरूण कुमार पाण्डेय, सचिव श्री अमरनाथ, मुख्य वन



संरक्षक श्री कोशलेन्द्र कुमार, मुख्य वनसंरक्षक श्रीमती संजीता गुप्ता, कार्यकारी निदेशक वन श्री एस.वेंकटचलम् सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में 4 अगस्त 2026 को आमंत्रित निविदाओं में प्राप्त दरों के अनुमोदन से संबंधित प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श किया गया। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने वनोपज के बेहतर प्रबंधन, पारदर्शी प्रक्रिया और संग्रहणकर्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए तेंदूपत्ता सहित अन्य वनोपज के प्रभावी विपणन पर जोर दिया। राज्य सरकार द्वारा वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों और आदिवासी परिवारों की आजीविका को मजबूत करने के लिए लघु वनोपज के संग्रहण और विपणन को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। तेंदूपत्ता संग्रहण से जुड़े परिवारों को उनकी मेहनत का उचित लाभ मिले, इसके लिए शासन द्वारा संग्रहण मूल्य, विपणन व्यवस्था और भुगतान प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया गया है। बैठक में तेंदूपत्ते के भंडारण, लॉटवार विक्रय और प्राप्त निविदा दरों सहित विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई।

# हत्या और दूसरी महिला से मारपीट के मामले का खुलासा,आरोपी गिरफ्तार...

रायपुर। संवाददाता

मुजगहन थाना क्षेत्र में महिला की हत्या और दूसरी महिला से मारपीट की दो अलग-अलग घटनाओं का पुलिस ने खुलासा किया है। एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट तथा थाना मुजगहन पुलिस की संयुक्त टीम ने मामले में देवेन्द्र कुमार साहू उर्फ राकेश उर्फ मंछला (29) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर उनका पीछा किया और एक मामले में महिला के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी। पुलिस आयुक्त डॉ. संजीव शुक्ला के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित तुकाराम कांबले के मार्गदर्शन तथा पुलिस उपायुक्त (क्राइम एवं साइबर) स्मृतिक राजनाला एवं पुलिस उपायुक्त (पश्चिम जोन) रॉबिन्सन गुड़िया की मॉनिटरिंग में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार 21 जुलाई 2026 को न्यू स्वागत विहार के पास एक खाली प्लॉट में भरे पानी में महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस, एफएसएल और डॉग स्क्वाड की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। मृतिका की बाईं आंख के ऊपर चोट और शरीर के अन्य हिस्सों में खरोंच के निशान मिले थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर पर चोट एवं खरोंच के निशान के साथ पानी में डूबने से सांस रुकने को मृत्यु का कारण बताया गया। इसके बाद मुजगहन थाने में अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस के मुताबिक 5 अगस्त की रात सेजबहार क्षेत्र में एक महिला अपने घर जा रही थी। इसी दौरान बेकरी दुकान के पास पीछे से एक अज्ञात युवक पहुंचा और कथित तौर पर अश्लील गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने महिला को नाली में धक्का देकर गिरा दिया और उसके साथ मारपीट की। महिला के शोर मचाने पर आरोपी मौके से भाग गया। इस मामले में भी मुजगहन थाने में अपराध दर्ज किया गया था। दोनों घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने आठ से अधिक अलग-अलग टीमों का गठन किया। टीमों ने घटनास्थल और आसपास के संभावित रास्तों पर लगे सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसके अलावा मृतिका के परिजनों, परिचितों और आसपास के लोगों से पूछताछ की गई।

### कांग्रेस नेताओं का देश विरोधी आचरण फिर आया सामने, राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का अपमान देशवासियों को स्वीकार नहीं - अरुण साव

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि कांग्रेस नेताओं का देश विरोधी आचरण एक बार फिर सामने आया है। कांग्रेस और उसके नेता अब केवल राष्ट्र के विरुद्ध बयान ही नहीं दे रहे हैं, बल्कि आचरण से प्रदर्शित भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि, राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का सम्मान हर नागरिक को करना चाहिए। अरुण साव ने आज नवा रायपुर अटल नगर कार्यालय में कहा कि वंदे मातरम् के गायन को बीच में रोकना और बाद में अलग-अलग तरह के स्पष्टीकरण देना उचित नहीं है। भारत लोकतांत्रिक और कानून से चलने वाला देश है। देश में जो कानून और संवैधानिक व्यवस्था है, उसका सभी को सम्मान करना चाहिए। किसी राजनीतिक दल की बैठक में पारित प्रस्ताव के आधार पर देश नहीं चलता। उप मुख्यमंत्री साव ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि राष्ट्रीय गीत और राष्ट्र से जुड़े प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना सभी में होनी चाहिए। देश की एकता, अखंडता और संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। अरुण साव ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने सशस्त्र नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। अब समाज को दिमागी नक्सलवाद से भी सतर्क रहने की जरूरत है।

# शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर रहेगा विशेष फोकस......

- 18 अगस्त से 24 सितंबर तक चलेगा अभियान, जशपुर जिले में 2766 सत्रों के माध्यम से 78,370 बच्चों को पिलाई जाएगी विटामिन-ए की खुराक'

रायपुर/ संवाददाता

बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और उत्तरजीविता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में शिशु संरक्षण माह का शुभारंभ किया गया। जिला चिकित्सालय जशपुर में आयोजित कार्यक्रम में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव सिंह एवं डॉ. गीतांजलि तिवारी ने बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की। अभियान 18 अगस्त से 24 सितंबर 2026 तक संचालित होगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि शिशु संरक्षण माह के दौरान प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को वी.एच.एन.डी. सत्र आयोजित किए जाएंगे। अभियान में 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन-ए तथा 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को आई.एफए. सिरप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिशु संरक्षण माह केवल विटामिन-ए अनुपूरण का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि बच्चों की उत्तरजीविता बढ़ाने तथा उनके समग्र स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार के लिए विभिन्न स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं को एकीकृत रूप से उपलब्ध कराने का अभियान है। अभियान के दौरान निर्धारित आयु वर्ग के बच्चों को विटामिन-ए की खुराक के साथ आई.एफए. सिरप की एक बोतल प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही ड्यू बच्चों का टीकाकरण, वजन जांच, पोषण संबंधी परामर्श तथा बच्चों की आयु के अनुरूप संतुलित एवं पौष्टिक आहार की जानकारी दी जाएगी। आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित सत्रों के माध्यम से पात्र बच्चों को पूरक पोषण आहार की सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं अति गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें उपचार एवं पोषण पुनर्वास के लिए पोषण पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कराया जाएगा। शिशु संरक्षण माह के अंतर्गत अगस्त में 18, 21, 25 एवं 29 अगस्त तथा सितंबर में 1, 5, 8, 11, 16, 18, 21 एवं 24 सितंबर को निर्धारित सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में बच्चों को विटामिन-ए एवं आयरन सिरप देने के साथ उनका वजन भी लिया जाएगा। बच्चों की आयु एवं लंबाई के आधार पर कम वजन वाले बच्चों की पहचान कर आवश्यकतानुसार उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्रों में 14 दिनों के लिए भर्ती कर उपचार एवं पोषण पुनर्वास की सुविधा दी जाएगी। केंद्र में बच्चे के भर्ती होने पर उसकी मां को कार्य क्षतिपूर्ति राशि भी प्रदान की जाएगी।

**लंबित राजस्व प्रकरणों के शत-प्रतिशत निराकरण के निर्देश**

# विकास योजनाओं को मिले गति, निर्माण कार्य समय-सीमा में हों पूर्ण :केन्द्रीय राज्यमंत्री साहू

रायपुर/ संवाददाता

सांसद लोकसभा क्षेत्र बिलासपुर एवं केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने आज गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, पात्र हितग्राहियों को समय पर योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा करते हुए श्री साहू ने स्व-सहायता समूहों



से जुड़ी महिलाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और उनकी आय में वृद्धि के लिए स्थानीय संसाधनों एवं संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा हितग्राहियों को आवास निर्माण में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसी तरह व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालयों के लंबित कार्यों को भी प्राथमिकता से पूरा करने कहा। पीएम जनमन योजना के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनाए जा रहे संपर्क मार्गों की समीक्षा करते हुए उन्होंने विभागीय समन्वय से निर्माण में आ रही बाधाओं का शीघ्र निराकरण करने और सड़कों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। श्री साहू ने जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले की विशिष्ट पहचान विष्णुभोग धान-चावल की उत्पादकता बढ़ाने, प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने तथा बेहतर विपणन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास करने कहा, ताकि किसानों को स्थानीय उत्पाद का अधिक लाभ मिल सके।

# संपादकीय

## संसद में हंगामा, बिना बहस विधेयक- क्या महज औपचारिकता बन गया है सदन?

जिस तरह जनहित से जुड़े मामलों पर विधेयकों को बिना बहस या चर्चा के ही पारित कर दिए जाने की परंपरा चल पड़ी है, उसका सीधा असर जनता के अधिकारों और लोकतंत्र की सेहत पर पड़ेगा। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद जनहित से जुड़े मुद्दों पर बहस का सर्वोच्च मंच होता है, तो ऐसे में सरकार और विपक्ष की जिम्मेदारी हो जाती है कि वे इसकी उपयोगिता और महत्त्व को कायम रखें। विडंबना यह है कि जब भी संसद का सत्र शुरू होता है, किसी न किसी मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच असहमति एक टकराव में तब्दील हो जाती है और दोनों सदनों का ज्यादातर समय बेकार चला जाता है।एक ओर विपक्षी पार्टियां सरकार से किसी मुद्दे पर जवाब की मांग करती हैं, तो दूसरी ओर सरकार आमतौर पर ऐसी मांगों की अनदेखी करने का रुख अख्तियार कर लेती है। नतीजतन, हंगामे और सदन को स्थगित किए जाने के समांतर विपक्ष के बहिर्गमन के बीच संसद की कार्यवाही महज औपचारिकता बन कर रह जाती है। जबकि इसी बीच सरकार अपनी सुविधा के मुताबिक ऐसे मसलों पर तैयार विधेयकों को भी बिना चर्चा के पारित करा लेती है, जिन पर विपक्षी दलों के विचार और व्यापक बहस की जरूरत होती है। इस सत्र में कई विधेयकों को पारित करने में इतना कम वक्त लगा, मानो उसके लिए महज औपचारिकता निभाई गई हो।सवाल है कि इस तरह की स्थितियों में संसद और लोकतंत्र की क्या अहमियत रह जाती है। मानसून सत्र के तीन सप्ताह जिस तरह सिर्फ हंगामे और विपक्ष के बहिर्गमन के दौरान बार-बार स्थगित होते हुए गुजर गए, उससे एक बार फिर यह सवाल उठा है कि क्या संसद को अब सिर्फ दिखावे का ठिकाना मान लिया गया है! वरना क्या वजह है कि एक ओर विपक्षी दलों की ओर से पूरे सत्र के दौरान नीट प्रश्नपत्र लीक, राम मंदिर दान राशि में कथित गड़बड़ी और विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन पर पुलिस की कार्रवाई के मुद्दे पर सरकार को घेरा गया, संबंधित और जिम्मेदार मंत्रियों से जवाबदेही की मांग की गई, वहीं सरकार ने इन मसलों पर एक विचित्र चुप्पी ओढ़े रखी।खासतौर पर दिल्ली में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की बेरहमी और पैलेट गन चलाने के सवाल पर विपक्ष ने जवाब मांगा, लेकिन गृह मंत्री ने आखिरी दिन इसे लेकर थोड़ी सक्रियता दिखाई, जो प्रकारांतर से बेमानी साबित हुई। अगर यही रुख पहले जाहिर किया गया होता, तो संभव है कि संसद में कुछ मुद्दों और पेश किए गए विधेयकों पर बहस की गुंजाइश निकल पाती।अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अलग-अलग मुद्दों पर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध कायम रहने की वजह से कार्य उत्पादकता लोकसभा में महज उन्नीस फीसद और राज्यसभा में उनतालीस फीसद रही। अब इस बात पर चिंता जताने में शायद सभी दल शामिल होंगे कि संसद की कार्यवाही नहीं चलने की वजह से करोड़ों रुपए बर्बाद हो गए।

# अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

(ललित गर्ग )

आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते।

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है-धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र परस्परोपग्रहो जीवानाम् भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरुआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971

को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है।

लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बढ़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो।

आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है।

भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएँ हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है। भारत के कुछ राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। तेलंगाना में 2024 में मृतक अंगदान की दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही और उसके 'जीवदान' कार्यक्रम के माध्यम से हजारों प्रत्यारोपण संभव हुए। तमिलनाडु में भी मृतक अंगदान की व्यवस्था ने अनेक परिवारों को प्रेरित किया है।य 2026 में एक परिवार ने भाषा की बाधा के बावजूद डिजिटल अनुवाद की मदद से अपने प्रियजन के अंगदान का निर्णय लिया और अनेक मरीजों को जीवन मिला। ये घटनाएँ बताती हैं कि जहाँ संवेदना, व्यवस्था और जागरूकता मिलती हैं, वहाँ मृत्यु भी कई जीवनों को बचाने का माध्यम बन सकती है।

अंगदान की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि यह रक्तदान से भी आगे की परोपकार-चेतना है। रक्तदान में हम अपने शरीर की ऐसी चीज देते हैं जिसे शरीर फिर बना लेता है, अंगदान में हम मृत्यु के बाद ऐसी अमूल्य संपदा देते हैं जिसका उपयोग किसी दूसरे शरीर को जीवन देने के लिए हो सकता है। इसलिए अंगदान को केवल चिकित्सा की भाषा में नहीं, मानवीय रिश्तों और करुणा की भाषा में समझना होगा। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि किसी एक दाता का निर्णय कई लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अंगदान केवल एक व्यक्ति की मदद नहीं, बल्कि कई परिवारों में आशा का संचार है। किसी की आँखों में रोशनी, किसी की छाती में धड़कता हृदय, किसी की सांसों में फेफड़ों की शक्ति और किसी के शरीर में काम करता हुआ नया अंग-यह सब किसी अनजान व्यक्ति की उदारता का परिणाम हो सकता है। इसलिए अंगदान को मृत्यु के बाद शरीर का अंत मानने वाली सोच से बाहर निकालकर मृत्यु के बाद भी जीवन देने की अवधारणा से जोड़ना होगा। मृत्यु अंधेरा है, लेकिन अंगदान उस अंधेरे में जलाया गया दीपक है। एक दीपक स्वयं जलता है, लेकिन उसका प्रकाश दूसरों को दिखाई देता है। इसी तरह दाता संसार से चला जाता है, लेकिन उसके अंग किसी और की सांस, धड़कन या दृष्टि बनकर जीवन को रोशन करते रहते हैं। हमारी सबसे बड़ी संपत्ति वह नहीं जो बैंक में जमा है, न वह जो तिजोरी में बंद है और न वह जो हमारे नाम पर दर्ज है। हमारी सबसे बड़ी संपत्ति वह है जिसका उपयोग हमारे बाद भी किसी जीवन को बचाने में हो सके। इस विश्व अंगदान दिवस पर हमें केवल यह संकल्प नहीं लेना चाहिए कि अंगदान करेंगे, बल्कि इससे एक कदम आगे बढ़कर यह संकल्प लेना चाहिए कि अंगदान के बारे में अपने परिवार से बात करेंगे, भ्रम दूर करेंगे और समाज में जीवन बचाने वाली इस चेतना को फैलाएँगे। क्योंकि जीवन का अंतिम अध्याय मृत्यु नहीं होना चाहिए। वह किसी दूसरे के जीवन की नई शुरुआत भी बन सकता है। आइए अपने जीवन की अंतिम विरासत मानवता के नाम करें। अंगदान का दीप जलाएँ, ताकि किसी की बुझती जिंदगी में उजाला हो।

# जब जिंदगी अपनी राह चुने, तो क्या हम उसे स्वीकार कर पाते हैं

(मनीषा मंजरी)

मनुष्य स्वभावतः योजनाओं का निर्माता है। हम निरंतर अपने भविष्य को कल्पनाओं, अपेक्षाओं और सपनों से सजाते रहते हैं। हम सोचते हैं कि अगर हम पूरी निष्ठा से प्रयास करेंगे, तो जीवन भी उसी दिशा में आगे बढ़ेगा, जिसकी हमने कल्पना की है। मगर जीवन का स्वभाव मनुष्य से भिन्न है। वह योजनाओं से अधिक संभावनाओं में विश्वास करता है। वह कभी भी एक ऐसा मोड़ सामने रख देता है, जिसकी कल्पना तक हमने नहीं की होती। यहीं से हमारे भीतर का सबसे बड़ा संघर्ष प्रारंभ होता है।

अक्सर हम परिस्थितियों से कम और उनके हमारे अनुसार न होने से अधिक व्यथित होते हैं। किसी प्रिय का साथ छूट जाना, वर्षों की मेहनत के बाद भी अपेक्षित परिणाम न मिलना, संबंधों का बदल जाना या अचानक जीवन की दिशा बदल जाना, इन घटनाओं का दर्द केवल इसलिए गहरा नहीं होता कि वे कठिन हैं, बल्कि इसलिए भी कि वे हमारी बनाई हुई तस्वीर से मेल नहीं खातीं।

मन का पहला प्रश्न होता है, 'ऐसा मेरे साथ ही क्यों हुआ' या 'ऐसा नहीं होना चाहिए था।' यही प्रश्न धीरे-धीरे प्रतिरोध का रूप ले लेता है। हम वास्तविकता से संघर्ष करने लगते हैं। बीता हुआ समय बदल नहीं सकता, फिर भी मन उसे बार-बार बदलने का प्रयास करता रहता है। वह 'काश' और 'अगर' के बीच झूलता रहता है। यही वह स्थान है, जहां सबसे अधिक मानसिक थकान जन्म लेती है। स्वीकार का अर्थ इस थकान को समझना है। दुर्भाग्य से, समाज ने स्वीकार को कई बार हार मान लेने का पर्याय बना दिया है। जबकि दोनों के बीच गहरा अंतर है। हार मान लेना प्रयास छोड़ देना है, जबकि स्वीकार करना वास्तविकता को पहचानकर उसके साथ आगे बढ़ने का साहस जुटाना है। यह कहना कि 'यह मेरी इच्छा नहीं थी, लेकिन यही इस समय का सत्य है। अब मैं इसी सत्य के साथ अपने अगले कदम चुनूंगा।' यही स्वीकार है। वास्तव में स्वीकार कोई एक क्षण का निर्णय नहीं, बल्कि एक लंबी आंतरिक यात्रा है। मन तुरंत शांत नहीं होता। उसे समय चाहिए। वह पहले विरोध करता है, फिर प्रश्न पूछता है, फिर धीरे-धीरे समझने लगता है और आखिर एक दिन उसी सत्य के साथ जीना सीख लेता है, जिसे कभी अस्वीकार्य मानता था। स्वीकार की इस यात्रा को तीन चरणों में समझा जा सकता है। पहला चरण है प्रतिरोध का, जब हम बार-बार कहते हैं, 'ऐसा नहीं होना चाहिए था।' इस अवस्था में मन वास्तविकता से लड़ता रहता है। दूसरा चरण है समझ का, जब भीतर यह स्वीकारोक्ति जन्म लेती है कि 'यह मेरी पसंद नहीं थी, लेकिन यही सच है।' यहां संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं होता, पर उसकी तीव्रता कम होने लगती है। और तीसरा चरण है स्वीकार का, जब हम निर्णय लेते हैं कि अतीत हमारे वर्तमान का शासक नहीं बनेगा। हम अपने घावों को मिटाते नहीं, बल्कि उनके साथ संतुलित होकर जीना सीखते हैं। जीवन में अधिकांश पीड़ा घटनाओं से नहीं, बल्कि टूटी हुई अपेक्षाओं से जन्म लेती है। घटना एक बार घटती है, पर मन उसे अनगिनत बार जीता है। हर बार वह कोई नया 'अगर' खोज लेता है। अगर हम ध्यान से देखें, तो पाएंगे कि हमारा दुख कई बार वास्तविक घटना से अधिक उस कल्पना के टूटने का होता है, जिसे हमने अपने भविष्य के लिए गढ़ा था। प्रकृति इस सत्य को सहजता से जीती है। नदी चट्टानों से युद्ध नहीं करती। वह उन्हें हटाने में अपनी पूरी ऊर्जा नष्ट नहीं करती। वह उनके बीच अपना मार्ग खोज लेती है। उसकी गति कभी धीमी होती है, कभी तीव्र, पर वह बहना नहीं छोड़ती। शायद इसी कारण वह आखिर अपने गंतव्य तक पहुंच जाती है। हम भी अगर जीवन को इसी दृष्टि से देखना सीख जाएं, तो हमारे भीतर भी बहुत कुछ बदल सकता है। योजनाएं बनाना आवश्यक है, क्योंकि वे जीवन को दिशा देती हैं। मगर उनसे इस प्रकार चिपक जाना कि उनके टूटते ही हमारा अस्तित्व भी टूट जाए, यह बुद्धिमानी नहीं। परिपक्वता तब आती है जब हम पूरे मन से प्रयास करते हैं, पर परिणाम को अपने अहंकार का विषय नहीं बनने देते। स्वीकार का अर्थ यह नहीं कि दुख समाप्त हो जाएगा। किसी प्रिय की अनुपस्थिति, किसी असफलता का दर्द या किसी अधूरे सपने की टीस जीवन का हिस्सा बनी रह सकती है। पर स्वीकार उस दर्द का भार हल्का कर देता है, क्योंकि तब हम दर्द से नहीं लड़ते, बल्कि उसके साथ जीने की कला सीखते हैं। जहां संघर्ष समाप्त होता है, वहीं उपचार आरंभ होता है। शायद जीवन का सबसे बड़ा पाठ भी यही है कि हम सब कुछ नियंत्रित नहीं कर सकते। हम मौसम नहीं बदल सकते, समय को रोक नहीं सकते, लोगों के निर्णय तय नहीं कर सकते, और न ही हर परिणाम अपने अनुसार बना सकते हैं।

# मुस्लिम नाटो के अंतर्विरोध

(केएस तोमर)

**तीन सुन्नी देशों और शिया बहुल ईरान के बीच प्रतिद्वंद्विता मुस्लिम नाटो के रूप में सामने आई है, लेकिन इसके अंतर्विरोध भी कम नहीं हैं। पश्चिम एशिया एक नए रणनीतिक दौर में प्रवेश कर रहा है, जिसमें पुराने गठबंधनों की परीक्षा हो रही है और नई साझेदारियां बन रही हैं। इसलिए, सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान के बीच मक्का में हुआ रक्षा समझौता संकेत देता है कि तीन प्रभावशाली मुस्लिम-बहुल देश अपनी सुरक्षा पर अधिक नियंत्रण चाहते हैं, खासकर तब, जब अमेरिकी गारंटी पर भरोसा कम होता दिख रहा है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है।**

जब सुन्नी देशों और शिया-बहुल ईरान के बीच प्रतिद्वंद्विता के कारण क्षेत्र का संतुलन बदल रहा है। हालांकि, तीनों देशों की रणनीतिक प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं, पर उनका एक साथ आना ईरान के बढ़ते प्रभाव व क्षेत्रीय संघर्षों के प्रति मुस्लिम देशों की कमजोरी को लेकर उनकी साझा चिंता को दिखाता है। यह प्रमुख सुन्नी ताकतों की ओर से पूरी तरह से अमेरिका पर निर्भर रहने के बजाय, मुस्लिम-नेतृत्व वाला एक अतिरिक्त सुरक्षा ढांचा बनाने की कोशिश है। इसका महत्व इसमें निहित है कि सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान ईरान से खतरे और क्षेत्रीय सुरक्षा के प्रति अमेरिका की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को लेकर अनिश्चितता, दोनों से निपटने के लिए विकल्प तैयार कर रहे हैं। यह समझौता पूरी तरह से एकीकृत सैन्य गठबंधन नहीं है, और इसकी वास्तविक ताकत इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या ये तीनों देश अपने अलग-अलग हितों और खतरों के प्रति अपनी धारणाओं में तालमेल बिठा पाते हैं या नहीं।

- मक्का समझौते को भारत-विरोधी गठबंधन के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। सऊदी अरब के भारत में बड़े आर्थिक व रणनीतिक हित हैं, जबकि तुर्किये के पाकिस्तान के साथ साझेदारी की तुलना में नई दिल्ली के साथ संबंध अधिक जटिल हैं। भारत को किसी दूसरे गुट में शामिल होने के बजाय अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करना चाहिए। बड़ी अर्थव्यवस्था, मजबूत सैन्य क्षमताएं, गहरी कूटनीतिक साझेदारी और सत्ता के प्रतिस्पर्धी केंद्रों के साथ लगातार जुड़ाव तय करेगा कि भारत उभरती हुई व्यवस्था को आकार दे सकता है या नहीं। यूएई, फ्रांस, इस्राइल व अन्य रणनीतिक साझेदारों के साथ भारत की साझेदारी भी महत्वपूर्ण होती जाएगी। आर्थिक निर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री सहयोग और आतंकवाद-विरोधी प्रयास इस जुड़ाव के मुख्य आधार बने रहने चाहिए।
- भारत के लिए बड़ा सबक यह है कि पश्चिम एशिया तेजी से बहुध्रुवीय होता जा रहा है। नई दिल्ली इस क्षेत्र को केवल वाशिंगटन या खाड़ी के अलग-अलग देशों के साथ अपने संबंधों के नजरिये से नहीं देख सकती। भारत को अमेरिका से मजबूत रिश्ते रखते हुए खाड़ी और सऊदी अरब से रणनीतिक जुड़ाव बढ़ाना चाहिए, साथ ही ईरान और तुर्किये से संतुलित संबंध बनाए रखने चाहिए।
- नए गठबंधन की पहली चुनौती राजनीतिक प्रतीकों को भरोसेमंद सैन्य गठबंधन में बदलना है। पाकिस्तान की मुख्य सुरक्षा चिंता भारत है; सऊदी अरब का ध्यान ईरान और मिसाइल, ड्रोन व क्षेत्रीय संघर्षों से होने वाले खतरों पर है; जबकि तुर्किये नाटो के व्यापक ढांचे के भीतर काम करता है और सीरिया, इराक, भूमध्य सागर और काकेशस में उसके अपने हित हैं। दूसरी चुनौती स्वतः हस्तक्षेप का सवाल है। समझौते के तहत 'एक पर हमला, सब पर हमला' की घोषणा का मतलब यह नहीं कि तीनों देश हर संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल होंगे। इसका ताजा उदाहरण सऊदी तेल संयंत्रों और लाल सागर में टैंकरों पर हालिया हूती हमला है, जिस पर न तो पाकिस्तान और न ही तुर्किये हरकत में आया। तीसरी चुनौती पहले से ही अस्थिर क्षेत्र में एक कठोर गुट बनाने से बचना है। सऊदी अरब अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत करते हुए ईरान से बातचीत कर रहा है। तुर्किये की नाटो के प्रति प्रतिबद्धताएं हैं। पाकिस्तान को चीन, खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ अपने संबंधों में संतुलन बनाना होगा। ये परस्पर विरोधी हित समझौते की एकजुटता को सीमित कर सकते हैं।
- भारत की चिंता एक और नाटो बनने की नहीं, बल्कि यह है कि क्या पाकिस्तान मक्का समझौते का इस्तेमाल अपनी कूटनीतिक व रणनीतिक पहुंच बढ़ाने के लिए कर सकता है। पाकिस्तान को असल फायदा ज्यादा मजबूत प्रतिरोध क्षमता, राजनीतिक समर्थन, रक्षा सहयोग और वैश्विक स्तर पर अहमियत मिलने से होगा।

# नासा और इसरो- द्विपक्षीय अंतरिक्ष सहयोग के क्षेत्र में हुई अहम पहल, भारत के स्पेस विजन-2047 को मिलेगी गति

(ज्योति भास्कर)

नासा का अपने व्यापक मून बेस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए इसरो को निमंत्रण देना द्विपक्षीय अंतरिक्ष सहयोग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। भारत के स्पेस विजन-2047 के मद्देनजर अंतरिक्ष में अमेरिकी अनुभव भारत की तैयारियों को भी गति दे सकता है।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को अपने मून बेस कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण देना भारत-अमेरिका अंतरिक्ष सहयोग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मोड़ तो खैर है ही, यह इस बात की अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति भी है कि चंद्रमा पर मानव की दीर्घकालिक उपस्थिति की दिशा में किए जा रहे प्रयासों में भारत एक उपयोगी और विश्वसनीय साझेदार हो सकता है। उल्लेखनीय है कि नासा का मून बेस कार्यक्रम सामान्य अर्थों में किसी चंद्र अभियान का विस्तार नहीं है। इसका लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट चरणबद्ध ढंग से ऐसी स्थायी अवसंरचना विकसित करना है, जहां अंतरिक्ष यात्री रहकर वैज्ञानिक अनुसंधान कर सकें। दक्षिणी ध्रुव इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वहां स्थायी छाया वाले क्षेत्रों में बर्फ के रूप में पानी की मौजूदगी की संभावना है, जो भविष्य में पीने के पानी, ऑक्सीजन और ईंधन जैसे संसाधनों के लिए उपयोगी हो सकती है। भारत के लिए इस प्रस्ताव की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है, क्योंकि चंद्रमा के इसी दक्षिणी ध्रुव पर भारत ने 2023 में चंद्रयान-3 के जरिये ऐतिहासिक सॉफ्ट लैंडिंग की थी। उस सफलता ने भारत को केवल चंद्रमा पर उतरने वाले चुनिंदा देशों में शामिल नहीं किया, बल्कि अत्यंत चुनौतीपूर्ण दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में उतरने की उसकी क्षमता भी प्रदर्शित की। यही वजह है कि अब नासा उसी अनुभव और तकनीकी दक्षता को अपने व्यापक मून बेस कार्यक्रम के लिए उपयोगी मान रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां अधिक करीब आई हैं। 2023 में जब भारत, अमेरिकी नेतृत्व वाले अंतरिक्ष गठबंधन आर्टेमिस में शामिल हुआ, तब उसी वर्ष दोनों देश मानवयुक्त अंतरिक्ष उड़ान में सहयोग के लिए एक रणनीतिक ढांचा विकसित करने पर भी सहमत हुए थे। 2025 में भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की आईएसएस की उड़ान इसी सहयोग का नतीजा थी। गौरतलब है कि भारत ने 2040 तक किसी भारतीय को चंद्रमा पर उतारने और 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करने का लक्ष्य रखा है। जाहिर है कि नासा का निमंत्रण भारत के स्पेस विजन-2047 के लिए निस्संदेह उपयोगी साबित होगा और अंतरिक्ष में अमेरिका का अनुभव भारत की तैयारियों को गति भी दे सकता है। नासा का निमंत्रण सिर्फ चंद्रमा की तरफ बढ़ता एक और कदम नहीं, बल्कि उस परिवर्तन का भी संकेत है, जिसमें भारत वैश्विक अंतरिक्ष व्यवस्था में दर्शक से भागीदार और भागीदार से नेतृत्वकर्ता बनने की ओर बढ़ रहा है।

# एसकेएमएस की 7 किमी फ्रीडम रेस में दौड़ा किरंदुल भिलाई के आशुतोष और रुक्मणी ने मारी बाजी

**किरंदुल।** देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लौह नगरी किरंदुल में एनएमडीसी परियोजना के श्रमिक संगठन एसकेएमएस द्वारा 7 किलोमीटर की भव्य फ्रीडम रेस का आयोजन किया गया। शनिवार को फुटबॉल ग्राउंड से शाम 4 बजे शुरू हुई इस मैराथन में 16 वर्ष से अधिक आयु के महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे प्रतिभागियों ने दौड़ में अपनी प्रतिभा और जज्बे का प्रदर्शन किया। रेस का शुभारंभ एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण ने हरी झंडी दिखाकर किया। स्वतंत्रता दिवस के उत्साह से सराबोर प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ 7 किलोमीटर की दूरी तय की। पुरुष वर्ग में भिलाई के आशुतोष भिंड ने 23 मिनट 51 सेकंड में दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान हासिल किया। चपोरा के मनीष कुमार ने 24 मिनट 40 सेकंड में दूरी पूरी कर द्वितीय स्थान, जबकि कांकेर के भावेश सलाम ने 24 मिनट 57 सेकंड में दौड़ पूरी कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में भी प्रतिभागियों ने शानदार प्रदर्शन किया। भिलाई की रुक्मणी साहू ने 28 मिनट 58 सेकंड में दौड़ पूरी कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

### विजेताओं को मिला नकद पुरस्कार और ट्रॉफी

कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख रविंद्र नारायण ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 15 हजार रुपये एवं ट्रॉफी, द्वितीय स्थान पर रहे प्रतिभागी को 10 हजार रुपये एवं ट्रॉफी तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 7,500 रुपये एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। इस अवसर पर श्रमिक संघ इंटक के सचिव ए.के. सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष चिन्ना स्वामी, परियोजना अस्पताल के सीएमओ डॉ. एम.वी. लाल एवं उपमहाप्रबंधक कार्मिक तनवीर जावेद सहित एसकेएमएस के सचिव राजेश संधु, अध्यक्ष देवरायलु, कार्यकारी अध्यक्ष रोशन मिश्रा, कार्यालय सचिव नामदेव, सुमित धर एवं अन्य पदाधिकारी, एनएमडीसी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इस फ्रीडम रेस ने नगर में देशभक्ति, उत्साह और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया।

लोहंडीगुड़ा की प्रमिला मंडावी ने 30 मिनट 14 सेकंड में द्वितीय स्थान तथा कोंडागांव की पार्वती नेताम ने 30 मिनट 38 सेकंड में दौड़ पूरी कर तृतीय स्थान हासिल किया। दोनों वर्गों में रेस पूरी करने वाले प्रथम 10 प्रतिभागियों को एक-एक हजार रुपये का सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किया गया। फ्रीडम रेस में एनएमडीसी कर्मचारियों के लिए अलग से प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें अंकित ने प्रथम, शेख शादाब ने द्वितीय तथा किशन साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

# नक्सलमुक्त सुकमा में तिरंगे की नई सुबह, 50 गांवों में पहली बार ग्रामीणों ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

**सुकमा।** कभी नक्सल गतिविधियों के साये में रहने वाले सुकमा जिले के सुदूर और अति दुर्गम इलाकों में इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस ने एक नई तस्वीर पेश की। जिले के 50 गांवों में पहली बार ग्रामीणों ने पूरे उत्साह और गर्व के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। गांवों में तिरंगे के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाना क्षेत्र में लौटे विश्वास, शांति और लोकतांत्रिक माहौल की बड़ी तस्वीर के रूप में सामने आया। चिंतागुफा, चिंतलनार सहित जिले के कई आंतरिक क्षेत्रों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्रामीणों ने एकजुट होकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। जिन इलाकों में कभी नक्सलवाद के कारण आम नागरिकों के लिए सामान्य गतिविधियां भी चुनौतीपूर्ण थीं, वहीं अब ग्रामीण अपने गांव में खुले तौर पर राष्ट्रीय पर्व मना रहे हैं।

### तिरंगे के साथ बदली तस्वीर

इन गांवों में पहली बार तिरंगा फहराए जाने का दृश्य ग्रामीणों के लिए भावुक और गौरवपूर्ण रहा। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। गांवों में देशभक्ति के नारों के बीच तिरंगा फहराया गया और राष्ट्र के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। यह बदलाव केवल एक ध्वजारोहण कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि सुकमा के उन इलाकों में बदलते माहौल का प्रतीक है, जहां अब ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और प्रशासन से जुड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

### नक्सलवाद के साये से विकास और विश्वास की ओर

सुकमा के दुर्गम इलाकों में तिरंगे का पहुंचना और ग्रामीणों द्वारा उसे सम्मानपूर्वक फहराना इस बात का संकेत है कि अब इन क्षेत्रों में लोकतंत्र और विकास की जड़ें मजबूत हो रही हैं। ग्रामीणों का राष्ट्रीय पर्व में खुलकर शामिल होना सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ प्रशासन और ग्रामीणों के बीच बढ़ते विश्वास को भी दर्शाता है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 50 गांवों में फहराया गया तिरंगा आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आया–अब इन गांवों की पहचान डर और दहशत से नहीं, बल्कि शांति, विकास, शिक्षा और राष्ट्रभक्ति से होगी।

### ग्रामीणों के लिए यादगार बना स्वतंत्रता दिवस

पहली बार अपने गांव में राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाले ग्रामीणों के लिए यह स्वतंत्रता दिवस लंबे समय तक यादगार रहेगा। तिरंगे को सलामी देते हुए ग्रामीणों ने देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। सुकमा के इन 50 गांवों में फहराया गया तिरंगा केवल कपड़े का एक ध्वज नहीं, बल्कि नक्सलवाद के अंधेरे से निकलकर लोकतंत्र और विकास की रोशनी की ओर बढ़ते बस्तर की नई तस्वीर बनकर सामने आया।

# अनजान लिंक से वीडियो कॉल तक... विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए

**बीजापुर।** मोबाइल पर आया अनजान लिंक, किसी अनजान नंबर से आई वीडियो कॉल या बैंक खाते की जानकारी मांगने वाला फोन छोटी सी चूक में साइबर ठगी का कारण बन सकता है। विद्यार्थियों को ऐसे खतरों से सावधान करने बीजापुर पुलिस ने जिले के स्कूल-कॉलेजों में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। विद्यार्थियों को साइबर ठगी के तरीकों के साथ सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने की समझाइश दी गई। छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान के तहत 15 से 22 अगस्त तक जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। शहीद वेंकटराव कॉलेज बीजापुर, शासकीय इंद्रावती महाविद्यालय भोपालपटनम, डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल भैरमगढ़, स्वामी आत्मानंद स्कूल नैमेड़ और हायर सेकंडरी स्कूल इलमिड़ी में विद्यार्थियों को साइबर अपराध और बचाव के उपाय बताए गए।साइबर टीम ने समझाया कि ओटीपी, बैंक खाते की गोपनीय जानकारी, पासवर्ड, पिन और अन्य संवेदनशील जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा न करें। अनजान लिंक, संदिग्ध वेबसाइट और एपीके फाइल पर क्लिक या डाउनलोड करने से भी बचने की सलाह दी गई। ऑनलाइन ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करने कहा गया। समय पर शिकायत से ठगी की राशि होल्ड कराने की संभावना बढ़ जाती है।कार्यक्रम में शिक्षकों ने क्यूआर कोड स्कैन कर साइबर जागृति अभियान से जुड़ाव दर्ज कराया। विद्यार्थियों से अपने माता-पिता और परिजनों को भी साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताने की अपील की गई। जिलेभर में चल रहा अभियान-बीजापुर पुलिस की ओर से साइबर अपराधों की रोकथाम और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए जिले के सभी थानों के माध्यम से साइबर जागृति अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत विद्यार्थियों, शिक्षकों और आमजनों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है।



# बचेली एनएमडीसी सीएसआर विभाग द्वारा स्वास्थ्य कौशल योजना,2026' के अंतर्गत अधिष्ठापन कार्यक्रम का आयोजन

**बचेली।** भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी लिमिटेड के बचेली परियोजना द्वारा अपने नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत छत्तीसगढ़ के बस्तर और दंतेवाड़ा जिलों के कुल 90 (67 छात्राओं एवं 23 छात्रों) अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए एनएमडीसी स्वास्थ्य कौशल योजना के अंतर्गत अधिष्ठापन कार्यक्रम का आयोजन 18.08.2026 को मंगल भवन, एनएमडीसी बचेली में किया गया। इन सभी छात्र- छात्राओं को मेडिकल टेक्नोलॉजी के कुल 06 पाठ्यक्रमों यथा बीएससी इमरजेंसी मेडिकल टेक्नोलॉजी, बीएससी मेडिक लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, बीएससी एनेस्थीसियोलॉजी एंड ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, बीएससी इमेजिंग टेक्नोलॉजी, बीएससी फिजिशियन असिस्टेंट तथा बीएससी रिनल डायलिसिस टेक्नोलॉजी में अध्ययन हेतु अपोलो यूनिवर्सिटी, चित्तूर पहुंचने के लिए एनएमडीसी, बचेली के मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन ) टी शिव कुमार द्वारा मंगलवार को सुबह हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी बच्चों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। एमएमडीसी के सीएसआर विभाग द्वारा अथितिगणो के करकमलों से सभी बालक और बालिकाओं को कार्यक्रम के दौरान स्मृति चिन्ह भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर एनएमडीसी के कर्मचारीगण, यूनियन के पदाधिकारीगण, आदिवासी संघ, सीएसआर कर्मचारियों तथा अभिभावकगणों की उपस्थिति रही।

# एनमडीसी किरंदुल ने किया स्वतंत्रता दौड़ का आयोजन

**किरंदुल।** एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा प्रायोजित किरंदुल के फुटबॉल ग्राउंड में हैदराबाद रनर सोसायटी द्वारा 05 किलोमीटर और 10 किलोमीटर दौड़ का आयोजन किया गया।इस दौरान स्थानीय फुटबॉल ग्राउंड में मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण, अधिशासी निदेशक ने दौड़ को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस दौड़ में पंजीकरण इच्छुक प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रबंधन की ओर से टी-शर्ट, मैडल प्रदान किए गए। झुंबा के जरिए सभी रनर्स ने वार्मअप किया। दौड़ का रूट फुटबॉल ग्राउंड से प्रारंभ होकर चिह्नित किए गए नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस फुटबॉल ग्राउंड पर संपन्न हुई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के दौरान हैदराबाद रनर्स सोसायटी के पदाधिकारी,जे.सी.दास, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन), धीरेन भूषण, महाप्रबंधक (खनन)/खान प्रबंधक, वी.मधुसूदन, महाप्रबंधक (अनुबंध), मो.तनवीर जावेद, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन) और परियोजना के अधिकारी, कर्मचारी व यूनियन पदाधिकारी व मानव संसाधन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मानव संसाधन विभाग के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों का अहम योगदान रहा।

## आदमखोर बाघिन के हमले में एक आदमी की मौके पर मौत

**पखांजुर।** छत्तीसगढ़ राज्य के सीमावर्ती राज्य महाराष्ट्र सीमावर्ती ग्राम दोलंदा के निवासी पर बाघ ने हमला कर दिया है जिससे घटनास्थल पर ही मौत हो चुकी है जारावंडी वन परिक्षेत्र के अंतर्गत ग्राम दोलंदा के जंगल में शेर के हमले में आदमी का आधे शरीर को बाघिन ने खा लिया था। जारावंडी परिसर मे शेर की हमले मे बैल-बकरी का बहुत जादा हमला हो रहा है। इसलिए लोंगो को दहशत का माहौल दिखाई दे रही है। इसलिए सभी लोग सतर्क रहे मृतक का नाम हरी बोहरण वडडे ग्राम दोलंदा वन परिक्षेत्र जारावंडी महाराष्ट्र। आए दिन शेर पालतू पशुओं को शिकार करते हैं जिससे ग्रामीणों को भारी नुक्सान उठाना पड़ता है तथा ग्रामीणो में दहशत का माहौल बना रहता हैं।

## बाढ़ आपदा प्रबंधन पर 20 अगस्त को होगी छोटा पूल में मॉक ड्रिल

**जगदलपुर।** जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जिले में आपदा प्रबंधन की तैयारियों को परखने एवं आम नागरिकों को बाढ़ आपदा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बाढ़ आपदा पर मॉक ड्रिल का आयोजन 20 अगस्त को इंद्रावती नदी छोटा पुल में किया जाएगा।

यह मॉक ड्रिल राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जाएगी। मॉक ड्रिल के सफल आयोजन के लिए अपर कलेक्टर सी पी बघेल को प्रभारी बनाया गया है साथ ही सभी राजस्व अधिकारियों को को विभिन्न दायित्व सौंपे गए हैं। मॉक ड्रिल के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा आपदा की स्थिति में राहत, बचाव एवं समन्वय से संबंधित तैयारियों का अभ्यास किया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह केवल एक प्रशिक्षण एवं अभ्यास प्रक्रिया है।

# पीआईबी तमिलनाडु के पत्रकारों ने जानी बस्तर की बदलती तस्वीर, ग्रामीण अंचलों का किया भ्रमण

**बीजापुर।** बस्तर की जमीनी हकीकत, आदिवासी संस्कृति और विकास की बदलती तस्वीर से देश के अन्य हिस्सों के पत्रकारों को रूबरू कराने के उद्देश्य से पीआईबी तमिलनाडु की पत्रकारों की टीम बीजापुर पहुंची। टीम ने कलेक्टर विश्वदीप एवं पुलिस अधीक्षक उमेश गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के ग्रामीण अंचलों का भ्रमण कर स्थानीय जीवनशैली, आदिवासी संस्कृति, शिक्षा और विकास कार्यों को करीब से जाना। भ्रमण के दौरान पत्रकारों ने ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र में आए बदलावों को समझने का प्रयास किया। टीम ने बस्तर की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और ग्रामीण परिवेश को करीब से देखा। गांवों में शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ नई पीढ़ी में दिखाई दे रहे उत्साह को भी पत्रकारों ने महसूस किया। दौरे के दौरान बच्चों के हाथों में तिरंगा और ग्रामीणों के बीच विकास को लेकर बढ़ता भरोसा बस्तर में हो रहे बदलाव की तस्वीर पेश करता नजर आया। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन सहित विभिन्न बुनियादी सुविधाओं की पहुंच ग्रामीण क्षेत्रों तक बढ़ने से लोगों के जीवन में बदलाव दिखाई दे रहा है। कभी नक्सलवाद के साये के लिए पहचाने जाने वाले बस्तर के कई इलाकों में अब शांति, शिक्षा और विकास की नई तस्वीर उभर रही है। सुरक्षा के साथ प्रशासन और सरकार की विकास योजनाओं की पहुंच गांवों तक बढ़ने से ग्रामीणों में विश्वास मजबूत हुआ है। पीआईबी तमिलनाडु के डायरेक्टर पी. अरुण कुमार ने कहा कि पत्रकारों के लिए यह भ्रमण बस्तर को बाहर से देखने के बजाय यहां के लोगों के बीच जाकर समझने का महत्वपूर्ण अवसर है।

# जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब चुनाव: अध्यक्ष पद के लिए पांच दावेदार मैदान में

**बीजापुर।** जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब बीजापुर के चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। नामांकन प्रक्रिया जारी है और अध्यक्ष पद के लिए पांच दावेदार मैदान में उतर चुके हैं। चुनावी मुकाबले को लेकर पत्रकारों के बीच चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है। खास बात यह है कि प्रत्याशियों को अभी चुनाव चिन्हों का आवंटन नहीं हुआ है, इसके बावजूद सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित प्रचार सामग्री का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। संभावित प्रत्याशी और उनके समर्थक एआई की मदद से पोस्टर, बधाई संदेश, प्रचार सामग्री और आकर्षक डिजिटल डिजाइन तैयार कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा कर रहे हैं। इससे चुनाव प्रचार का स्वरूप पहले की तुलना में अधिक आधुनिक और तकनीक आधारित नजर आने लगा है। निर्वाचन अधिकारी अशोक मिश्रा ने बताया कि 16 अगस्त से शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया के तहत अब तक कुल 12 नामांकन पत्र जारी किए जा चुके हैं। इनमें अध्यक्ष पद के लिए 5, सचिव पद के लिए 4 तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए 3 नामांकन पत्र लिए गए हैं। अध्यक्ष पद के लिए कमलेश पैंकरा, के. संतोष कुमार, गणेश मिश्रा, ईश्वर सोनी और बी. गौतम राव ने नामांकन पत्र प्राप्त किया है। सचिव पद के लिए इरशाद खान, आशीष पदमवार, बसंत मामडीकर तथा बी. गौतम राव ने फार्म लिया है। वहीं कोषाध्यक्ष पद के लिए बी. गौतम राव, सिरोज विश्वकर्मा और प्रशुन शर्मा ने नामांकन पत्र प्राप्त किए हैं।गौरतलब है कि निर्वाचन कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन 1 अगस्त को किया गया था। दावा-आपत्ति की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद संगठन विरोधी गतिविधियों के आरोप में 19 सदस्यों को निष्कासित करते हुए 46 सदस्यों की संशोधित मतदाता सूची 13 अगस्त को जारी की गई थी।

# ग्रामीणजन भी विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं: प्रताप मंडावी

### स्वतंत्रता दिवस पर अबूझमाड़ के ग्राम मोहंदी में ध्वजारोहण, स्कूल एवं आंगनबाड़ी में ग्रामीणों ने मनाया राष्ट्रीय पर्व





**नारायणपुर।** स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत कुतूल के ग्राम मोहंदी स्थित बालक आश्रम एवं आंगनबाड़ी केंद्र में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता एवं नारायणपुर जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रताप सिंह मंडावी ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रध्वज को सलामी दी।इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय ने राष्ट्रगान के साथ तिरंगे को नमन किया तथा देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों एवं वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देश की प्रगति में अपनी सहभागिता निभाने का संकल्प लिया गया। मुख्य अतिथि प्रताप सिंह मंडावी ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमारे लिए गौरव और सम्मान का पर्व है। यह दिन हमें उन वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है, जिनके संघर्ष के कारण हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की आजादी को बनाए रखना और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीणों और युवाओं से शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा सामाजिक एकता को मजबूत बनाने की दिशा में आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अबूझमाड़ सहित नारायणपुर जिले के गांवों का विकास तभी संभव है, जब शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और ग्रामीणजन भी विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के साथ-साथ अपने क्षेत्र और समाज के विकास के लिए सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की। कार्यक्रम में प्रधान अध्यापक बी.आर. नुरेटी, पंचायत सचिव संजय यादव, आश्रम अधीक्षक माधव नेटी, उपसरपंच गावड़े, रोजगार सहायक सुशील यादव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राम मोहंदी में ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का समापन अबूझमाड़ एवं जिला नारायणपुर की निरंतर प्रगति, शांति, एकता और समृद्धि की कामना के साथ हुआ।

# वंदे मातरम के अपमान के विरोध में भाजयुमो ने निकाली मशाल रैली, कांग्रेस कार्यालय के सामने किया प्रदर्शन

**कोण्डागांव।** भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा राष्ट्रगीत वंदे मातरम के कथित अपमान के विरोध में रविवार को मशाल रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। कोण्डागांव में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अटल सदन भाजपा कार्यालय में एकत्रित हुए। इस दौरान पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर अटल स्मारक में श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद भारत माता चौक होते हुए कांग्रेस भवन के सामने तक मशाल रैली निकाली गई। कांग्रेस भवन के सामने कोण्डागांव विधायक लता उसेंडी, भाजपा जिलाध्यक्ष सेवकराम नेताम, नगरपालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दीपेश अरोरा,मनोज जैन, भाजपा उपाध्यक्ष जितेंद्र सुराना, भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष कुलवंत चहल, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रशांत पात्र, भाजयुमो जिला अध्यक्ष नागेश देवांगन सहित कार्यकर्ताओं ने वंदे मातरम का गायन कर विरोध दर्ज कराया। विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए विधायक लता उसेंडी ने कहा कि राष्ट्रगीत और देश के गौरव से जुड़े विषयों पर राजनीति से ऊपर उठकर सम्मान होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं द्वारा वंदे मातरम के साथ उचित व्यवहार नहीं किया गया, जो दुखद है। विधायक ने कहा कि राष्ट्रगीत देश की आन-बान और शान का प्रतीक है। तथा इसके सम्मान के लिए भारतीय जनता पार्टी हमेशा आवाज उठाती रहेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### एक पेड़ माँ के नाम कपिलेश्वर मंदिर से दुर्गा पण्डाल तक किया गया वृक्षारोपण

**कोरबा।** '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान अंतर्गत कोरबा के रविशंकर नगर कपिलेश्वर मंदिर से दुर्गा पण्डाल तक वृक्षारोपण किया गया। इस मौके पर निगम के अधिकारी कर्मचारियों ने अपनी सहभागिता देते हुये पौधों का रोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण व हरित कोरबा के संकल्प को गति दी। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में जिला प्रशासन व नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वन विभाग के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण एवं हरित कोरबा के संकल्प के साथ विगत 18 जुलाई से '' एक पेड़ माँ के नाम '' अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण का कार्य संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत कोरबा के रविशंकर नगर कपिलेश्वर मंदिर से दुर्गा पण्डाल तक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर उद्यान अधीक्षक आनंद राठौर, संतोष यादव, मनमोहन, फित्तु, गोपी, अमर सिंह सहित अन्य नागरिकगणों ने पौधों का रोपण किया तथा पर्यावरण के संरक्षण व हरित कोरबा के संकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

### कोरबा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: चोरी के 5 बाइक बरामद,एक आरोपी गिरफ्तार,दूसरा पहले से जेल में

**कोरबा।** जिले में वाहन चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत कोरबा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस सहायता केंद्र मानिकपुर की टीम ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले का खुलासा करते हुए कोरबा और रायगढ़ जिले से चोरी की गई 5 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसका साथी पहले से ही जिला जेल कोरबा में बंद है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौरव नायक (20 वर्ष), निवासी मुड़पार, कोरबा के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी कौवा उर्फ फैजान के साथ मिलकर अलग-अलग स्थानों से मोटरसाइकिल चोरी करने की बात स्वीकार की है। आरोपी ऐसे स्थानों की तलाश करते थे, जहां लोग अपनी मोटरसाइकिल सुनसान जगहों पर खड़ी करके चले जाते थे। इसके बाद मौका पाकर बाइक का हैंडल लॉक तोड़कर उसे चोरी कर लिया जाता था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी का साथी कौवा उर्फ फैजान मास्टर चाबी की मदद से मोटरसाइकिल को ऑन करता था। इसके बाद दोनों चोरी की बाइक लेकर मौके से फरार हो जाते थे। कोरबा और रायगढ़ की 5 बाइक बरामद पुलिस कार्रवाई में कुल 5 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। इनमें- 1 मोटरसाइकिल - मानिकपुर क्षेत्र से चोरी 2 मोटरसाइकिल - कोतवाली थाना क्षेत्र से चोरी 1 मोटरसाइकिल - उरगा थाना क्षेत्र से चोरी 1 मोटरसाइकिल - कोतवाली थाना, रायगढ़ क्षेत्र से चोरी।

### कोरबा प्रेस क्लब भवन विस्तार के लिए विधायक मद से 20 लाख रुपये की अनुशंसा, विधायक लखन लाल देवांगन ने कलेक्टर को भेजा पत्र

**कोरबा।** कोरबा विधानसभा क्षेत्र के विधायक लखन लाल देवांगन ने वर्ष 2026-27 के लिए अपने विधायक मद से एक करोड़ पन्द्रह लाख रुपये के विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए कलेक्टर (जिला योजना एवं सांख्यिकी), जिला-कोरबा को अनुशंसा पत्र भेजा है। उक्त अनुशंसा में वार्ड क्रमांक-24 स्थित नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा निर्मित कोरबा प्रेस क्लब के भवन विस्तार कार्य हेतु 20.00 लाख (बीस लाख) रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही कार्य के संपादन के लिए नगर पालिक निगम कोरबा को कार्यपालन एजेंसी बनाने कहा गया है। प्रेस क्लब भवन के विस्तार हेतु 20 लाख रुपये की विकास राशि की अनुशंसा किए जाने पर कोरबा प्रेस क्लब की प्रबंध कार्यकारिणी एवं समस्त पत्रकारों ने विधायक लखन लाल देवांगन जी का सहृदय आभार व्यक्त किया है। कोरबा प्रेस क्लब के अध्यक्ष नौशाद खान ने विधायक लखन लाल देवांगन के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि भवन विस्तार की इस राशि से प्रेस क्लब के बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण होगा और जिले के पत्रकारों को अपने पेशेवर दायित्वों के निर्वहन हेतु बेहतर सुविधाएं एवं साधन उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने इस जनहितैषी कदम के लिए विधायक को धन्यवाद व्यक्त किया है।

### दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत: 3 युवक घायल, नगर सेना ने बचाई जान

**कोरबा ।** जिले के कटघोरा थाना क्षेत्र में रविवार रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जेजरा चैक के पास दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क किनारे घायलों को पड़ा देखकर बांगो डैम से रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा कर लौट रही जिला नगर सेना की टीम ने तत्काल मदद की और 112 की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के मुताबिक, रविवार रात दो बाइक विपरीत दिशाओं से आ रही थीं। जेजरा चैक के पास दोनों की सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सवार सड़क पर जा गिरे। हादसे के बाद सुनसान सड़क पर घायल काफी देर तक पड़े रहे। आसपास तत्काल मदद के लिए कोई मौजूद नहीं था। इसी दौरान बांगो डैम में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन से लौट रही जिला नगर सेना की टीम की नजर सड़क किनारे पड़े घायलों पर पड़ी।

**प्रभारी सचिव ने विभागवार योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की**

# सुशासन से ही योजनाओं का वास्तविक लाभ लोगों तक पहुंचेगा

- बायोमेट्रिक अटेंडेंस और ई-ऑफिस का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश
- जैविक खेती और बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता पर दिया जोर

**बिलासपुर।** वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं बिलासपुर जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज कुमार पिंगुआ ने आज जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागवार योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं की सफलता केवल भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य हासिल करने से नहीं, बल्कि आम लोगों और हितग्राहियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने से तय होती है। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश सर्वे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। प्रभारी सचिव श्री पिंगुआ ने कहा कि आमतौर पर सरकारी योजनाओं को पूरा करते समय हम भौतिक और वित्तीय लक्ष्य पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि लोगों को उससे मिलने वाली सुविधा और सुशासन कई बार उपेक्षित रह जाता है। समय बदल रहा है और अब इस दिशा में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं पर काम करते समय स्वयं को केवल विभागीय दायरे तक सीमित न रखें, बल्कि लोगों और हितग्राहियों से सीधे संवाद कर यह जानने का प्रयास करें कि योजनाओं का वास्तविक लाभ उन्हें मिल रहा है या नहीं। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त फीडबैक को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली में सुधार का अवसर मिलता है। प्रभारी सचिव ने सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को अपने कार्यों का स्व-मूल्यांकन करने और आम लोगों के साथ विनम्र व्यवहार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बायोमेट्रिक अटेंडेंस की भी समीक्षा की और सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को इसका अनिवार्य रूप से पालन करने को कहा। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारी समय पर कार्यालय पहुंचकर निर्धारित समय में कार्य करें तो कार्यप्रणाली में सुधार आएगा और देर रात तक कार्यालय में बैठने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने समस्त शासकीय पत्राचार ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान प्रभारी सचिव ने जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिले में खाद-बीज की पर्याप्त उपलब्धता है और किसानों द्वारा नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग भी बढ़ रहा है। श्री पिंगुआ ने जिले में बीज उत्पादन को बढ़ावा देकर बीज के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा। उन्होंने धान के स्थान पर दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती को बढ़ावा देने की प्रगति की भी जानकारी ली। पशु चिकित्सा विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले में अब तक 14 गोधामों को मंजूरी मिल चुकी है। प्रत्येक गोधाम में 200 पशुओं को रखने की क्षमता है। हितग्राहीमूलक योजनाओं की समीक्षा करते हुए श्री पिंगुआ ने कहा कि केवल निःशुल्क सामग्री अथवा सहायता उपलब्ध कराना योजनाओं का अंतिम उद्देश्य नहीं होना चाहिए। योजनाओं के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद हितग्राहियों के जीवन स्तर में वास्तविक बदलाव दिखाई देना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में प्रभारी सचिव ने जिले में मलेरिया की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष अब तक मलेरिया के 61 पॉजिटिव मरीज मिले हैं, जिनमें से तीन का उपचार चल रहा है और शेष मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।

# केदार कश्यप ने किया बिलासा ताल में वुडन ब्रिज का लोकार्पण

- 24.38 लाख रुपये की लागत से तैयार हुआ आकर्षक वुडन ब्रिज, पर्यटन सुविधाओं में जुड़ा नया आयाम

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने बिलासा ताल में आज 24.38 लाख रुपये की लागत से तैयार किए गए वुडन ब्रिज का लोकार्पण किया। बिलासा ताल के प्राकृतिक एवं मनोरम वातावरण के बीच निर्मित यह ब्रिज पर्यटकों और शहरवासियों के लिए नया आकर्षण बनेगा। इसके निर्माण से बिलासा ताल की खूबसूरती में एक और नया आयाम जुड़ा है। लोकार्पण कार्यक्रम में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष श्री राजा पांडे, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव श्री मनोज पिंगुआ, पीसीसीएफ श्री अरूण पाण्डेय, सीसीएफ श्री मनोज पांडे, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, वन मंडलाधिकारी श्री नीरज सिंह, नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे, श्री मोहित जायसवाल सहित वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। वुडन ब्रिज को बिलासा ताल के प्राकृतिक परिवेश और पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया गया है। इससे यहां आने वाले पर्यटकों को परिसर में घूमने और प्राकृतिक वातावरण का आनंद लेने के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी।

# एग्रीस्टेक परियोजना के तहत 703 गांवों में डिजिटल क्रॉप सर्वे शुरू

**बिलासपुर।** एग्रीस्टेक परियोजना के अंतर्गत खरीफ वर्ष 2026 के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे (डीसीएस) का कार्य बिलासपुर जिले में प्रारंभ हो गया है। जिले के 708 ग्रामों में से 703 ग्रामों में डिजिटल क्रॉप सर्वे का काम शुरू किया जा चुका है। तकनीकी कारणों से 5 ग्रामों में सर्वे मैनुअल आधार पर होगा। सर्वे का कार्य 17 अगस्त से प्रारंभ हुआ है जो कि 30 सितंबर 2026 तक पूर्ण किया जाना है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य पूरी गंभीरता और गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि आगामी धान खरीदी की प्रक्रिया में डीसीएस सर्वे के आंकड़ों का उपयोग किया जाना है, इसलिए सर्वे की शुद्धता एवं गुणवत्ता को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। डिजिटल क्रॉप सर्वे के तहत खरीफ फसलों की गिरदावरी मोबाइल एप के माध्यम से खेतों में जाकर ऑनलाइन की जाएगी। तकनीकी कारणों से जहां डिजिटल सर्वे संभव नहीं होगा, वहां मैन्युअल गिरदावरी की जाएगी। सर्वे कार्य का सत्यापन राजस्व निरीक्षक द्वारा तथा सुपरविजन पटवारी द्वारा किया जाएगा। यथासंभव मौके पर किसानों का फोटो भी लिया जाएगा, ताकि सर्वेक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रामाणिक एवं पारदर्शी बनाया जा सके। सर्वेयर द्वारा किए गए कार्यों का मौके पर अनिवार्य सत्यापन भी किया जाएगा। इसके तहत पटवारी द्वारा 10 प्रतिशत, राजस्व निरीक्षक द्वारा 5 प्रतिशत तथा तहसीलदार द्वारा 2 प्रतिशत सर्वे कार्य का मौके पर जाकर वेरिफिकेशन किया जाएगा। कलेक्टर ने इस प्रक्रिया का गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि डिजिटल सर्वे में दर्ज फसल एवं अन्य विवरणों की शुद्धता सुनिश्चित हो सके।

# 25 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

**सारंगढ़-बिलाईगढ़।** चौकी कनकबीरा पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ग्राम कपरतुंगा बैरियर के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 25 लीटर कच्ची महुआ शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 5 हजार रुपये है, बरामद कर जब्त की है। पुलिस के अनुसार, 17 अगस्त को चौकी कनकबीरा की टीम पेट्रोलिंग पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम छीछपानी और भालूपानी जंगल की ओर से दो व्यक्ति कच्ची महुआ शराब लेकर बिक्री के लिए आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कपरतुंगा बैरियर के पास घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के दौरान एक प्लास्टिक बोरी में रखी दो पॉलिथीन से 10 लीटर और 15 लीटर, कुल 25 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद हुई। पुलिस ने शराब को गवाहों के समक्ष जब्त कर आरोपियों के खिलाफ धारा 34(2), 59(क) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आनंद कुमार साहू (32), निवासी टीटहीपाली और सुरेश सारथी (56), निवासी कपरतुंगा के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों को 18 अगस्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र कुमार पटेल और एसडीओपी गोविन्द सिंह दीवान के मार्गदर्शन में चौकी प्रभारी टीकाराम खटकर के नेतृत्व में की गई।

# मंत्री ने कृषि,पशुपालन,उद्यान,मत्स्य एवं आदिवासी विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा बैठक...

- किसानों को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ दिलाने और अधिकाधिक पौधरोपण के दिए निर्देश
- जरहाभाठा छात्रावास परिसर पीपीपी मॉडल पर मल्टी स्टोरी भवन के रूप में विकसित होगा

**बिलासपुर।** आदिम जाति विकास एवं कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज बिलासपुर में कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य एवं आदिवासी विकास विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ उनके लाभ को अधिक से अधिक किसानों, ग्रामीणों और हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। मंत्री श्री नेताम ने कृषि एवं पशुपालन विभाग की योजनाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से कहा कि शासन की योजनाओं और उनके माध्यम से किसानों को मिलने वाले लाभ की जानकारी केवल कागजों तक सीमित न रहे। योजनाओं को किसानों तक पहुंचाने के साथ उन्हें योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ और परिणाम भी दिखाया जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान इनसे जुड़कर अपनी आय और उत्पादन में वृद्धि कर सकें। उन्होंने उद्यान विभाग की समीक्षा करते हुए किसानों को अधिकाधिक पौधरोपण के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फलदार एवं उपयोगी पौधों के रोपण को बढ़ावा देकर किसानों की आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित किए जा सकते हैं। इसके लिए विभागीय योजनाओं के माध्यम से किसानों को पौधे उपलब्ध कराने तथा रोपण के बाद उनकी देखभाल के लिए आवश्यक मार्गदर्शन देने पर भी जोर दिया।बैठक में आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के अंतर्गत छात्रावासों में प्रवेश की स्थिति की भी जानकारी ली गई। मंत्री श्री नेताम ने छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया, उपलब्ध सुविधाओं तथा विद्यार्थियों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने जरहाभाठा स्थित विभागीय छात्रावास परिसर को मल्टी स्टोरी बिल्डिंग के रूप में विकसित करने की जानकारी दी। यह भवन पीपीपी मॉडल के माध्यम से विकसित किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों के लिए बेहतर एवं आधुनिक आवासीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। मंत्री श्री नेताम ने मत्स्य विभाग सहित सभी विभागों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से मैदानी स्तर पर योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा किसानों एवं हितग्राहियों से सतत संवाद बनाए रखने को कहा।उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है।

# सहकारिता मंत्री कश्यप ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के कामकाज की समीक्षा की

- किसानों को इस वर्ष 904 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण
- नई सहकारी समितियों में बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के निर्देश

**बिलासपुर।** वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के सभाकक्ष में बैठक लेकर जिला सहकारी बैंक के कामकाज एवं किसानों के हित में संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने के साथ किसानों को समय पर ऋण एवं अन्य सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों के हित में संचालित केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का शत प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने कहा। बैठक में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष श्री रजनीश सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती रजनी साहू, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रभात मिश्रा, नोडल अधिकारी श्री आशीष दुबे सहित सहकारिता विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि पांच जिलों में नई 47 सहकारी समितियां खोली गई हैं, जिनमें अकेले बिलासपुर जिले में 16 समितियां शामिल हैं। उन्होंने इन समितियों में आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि संबंधित क्षेत्रों के किसानों को स्थानीय स्तर पर सहकारिता से जुड़ी सेवाओं का बेहतर लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि नई समितियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए आवश्यक संसाधन और सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2026 में किसानों को 73,207.17 लाख रुपये का नगद ऋण तथा 17,273.35 लाख रुपये का वस्तु ऋण वितरित किया गया है। इस प्रकार किसानों को 904 करोड़ 80 लाख रुपये से अधिक की ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मंत्री श्री कश्यप ने ऋण वितरण की समीक्षा करते हुए पात्र किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराने तथा सहकारी बैंक की सेवाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। बैठक में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। कुछ समितियों में डेटा एंट्री का कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है। इस पर मंत्री श्री कश्यप ने 31 अगस्त तक सभी पैक्स में डेटा एंट्री एवं कंप्यूटराइजेशन का कार्य शत-प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री श्री कश्यप ने 'सहकार से समृद्धि' योजना की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने सहकारिता के माध्यम से किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कॉमन सर्विस सेंटर की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी केंद्रों में आईडी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में अन्न भंडारण योजना की भी समीक्षा की गई। योजना का शत-प्रतिशत एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गोदाम निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने अधूरे गोदामों की जानकारी ली। उन्होंने हाउसिंग बोर्ड एवं संबंधित अधिकारियों को अधूरे निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि इनका उपयोग किसानों और सहकारी समितियों के हित में किया जा सके। मंत्री श्री कश्यप ने किसान क्रेडिट कार्ड की प्रगति की समीक्षा करते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार और अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पात्र किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से जोड़ा जाए, ताकि उन्हें कृषि कार्यों के लिए समय पर ऋण सुविधा मिल सके।

# नशे में ऑटो चालक छात्रा को घर के बजाय सुनसान इलाके में ले जा रहा था

**अंबिकापुर।** सरगुजा जिले के गांधी नगर थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा को कथित तौर पर गलत इरादे से घर के बजाय सुनसान इलाके में ले जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि ऑटो चालक नशे की हालत में छात्रा को ट्यूशन से घर पहुंचाने के बजाय कॉलेज ग्राउंड की ओर ले जा रहा था। छात्रा के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों और ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने ऑटो को रोककर बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला और चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार 13-14 वर्षीय छात्रा देर शाम ट्यूशन खत्म होने के बाद ऑटो से अपने घर लौट रही थी। आरोप है कि ऑटो चालक ने निर्धारित रास्ते से जाने के बजाय वाहन को कॉलेज ग्राउंड की ओर मोड़ दिया। सुनसान इलाके की तरफ ऑटो जाते देख छात्रा घबरा गई और उसने शोर मचाकर मदद के लिए आवाज लगाई। छात्रा की आवाज सुनकर आसपास मौजूद स्थानीय लोगों और ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने तत्काल ऑटो को रोक लिया। इसके बाद छात्रा को सुरक्षित ऑटो से बाहर निकाला गया। लोगों ने चालक को पकड़कर उसकी पिटाई की और बाद में पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।

# सावन में क्यों होती है शिव पूजा, कैसे पड़ा इस महीने का नाम

**सावन के पूरे महीने शिव आराधना की जाती है। जिसमें रुद्राभिषेक के बाद बिल्वपत्र और भस्म चढ़ाने समेत कई परंपराएं शामिल हैं, लेकिन ऐसा क्यों है? क्यों शिवजी को सावन का महीना पसंद है और इस महीने का नाम सावन कैसे पड़ा...? आइए समझाते हैं शिव पूजा की परंपराएं और कथाओं से...**

सावन के दौरान बारिश का मौसम होता है। पुराणों के मुताबिक शिवजी को चढ़ने वाले फूल-पत्ते बारिश में ही आते हैं इसलिए सावन में शिव पूजा की परंपरा बनी। स्कंद पुराण में भगवान शिव ने सनत्कुमार को सावन महीने के बारे में बताया कि मुझे श्रावण बहुत प्रिय है। इस महीने की हर तिथि व्रत और हर दिन पर्व होता है, इसलिए इस महीने नियम-संयम से रहते हुए पूजा करने से शक्ति और पुण्य बढ़ते हैं।

### इस महीने का नाम श्रावण क्यों...?

स्कंद और शिव पुराण के हवाले से जानकार इसकी दो वजह बताते हैं। पहली, इस महीने पूर्णिमा तिथि पर श्रवण नक्षत्र होता है। इस नक्षत्र के कारण ही महीने का ये नाम पड़ा।

दूसरी वजह, भगवान शिव ने सनत्कुमार को बताया कि इसका महत्व सुनने के योग्य है। जिससे सिद्धि मिलती है, इसलिए इसे श्रावण कहते हैं। इसमें निर्मलता का गुण होने से ये आकाश के समान है, इसलिए इसे नभा भी कहा गया है। सावन का महत्व बताते हुए महाभारत के अनुशासन पर्व में अंगिरा ऋषि ने कहा है कि जो इंसान मन और इन्द्रियों को काबू में रखकर एक वक्त खाना खाते हुए श्रावण मास बिताता है, उसे कई तीर्थों में स्नान करने जितना पुण्य मिलता है।

### शिव से जुड़ी कहानियां...

पार्वती की परीक्षा - देवी सती ने ही पार्वती के रूप में दूसरा जन्म लिया था। इस जन्म में भी शिव को पति के रूप में पाने के लिए वे कठिन तप कर रही थीं। शिव ने पहले सप्तर्षियों को परीक्षा के लिए भेजा। सप्तर्षियों ने पार्वती के पास पहुंचकर शिवजी की बहुत बुराई की, उनके दोष गिनाए, लेकिन पार्वती अपने संकल्प पर अडिग रहीं। इसके बाद महादेव खुद आए। उन्होंने पार्वती जी को वरदान दिया और अंतर्धान हो गए।

तभी एक बच्चे की आवाज सुनाई दी। पार्वती जहां तप कर रही थीं, उसी के पास मौजूद तालाब में मगरमच्छ ने एक बच्चे का पैर पकड़ रखा था। पार्वती वहां पहुंचीं और मगरमच्छ से बच्चे को छोड़ने को कहा। मगरमच्छ ने अपना नियम बताते हुए इनकार किया कि दिन के छठे पहर में जो मिलता है, उसे आहार बना लेता हूं। इस पर पार्वती ने पूछा, इसे छोड़ने के बदले क्या चाहोगे? मगरमच्छ ने कहा, अपने तप का फल मुझे दे देंगी, तो बालक को छोड़ दूंगा।

पार्वती तत्काल तैयार हो गईं, पर मगरमच्छ ने उन्हें समझाया कि वे क्यों एक बालक के लिए अपने कठिन तप का फल दे रही हैं, लेकिन पार्वती ने दान का संकल्प किया। उनके ऐसा करते ही मगर का शरीर चमकने लगा। अचानक बच्चा और मगर, दोनों गायब हो गए और उनकी जगह शिव प्रकट हुए। उन्होंने बताया कि वो परीक्षा ले रहे थे। चूंकि पार्वती ने अपने तप का फल शिव को ही दिया था, इसलिए उन्हें दोबारा तप करने की जरूरत नहीं रही।

**कामदेव को भस्म किया** - शिव को कामांतक भी कहते हैं। इसके पीछे कथा है। तारकासुर ने ब्रह्माजी से दो वरदान पाए थे। पहला, तीनों लोकों में उसके समान ताकतवर कोई न हो और दूसरा, शिवपुत्र ही उसे मार सके।

तारकासुर जानता था कि देवी सती के देहांत के बाद शिव समाधि में जा चुके हैं, जिससे शिवपुत्र होना असंभव था। वरदान पाकर तारकासुर ने तीनों लोकों को जीत लिया। उसके अत्याचार से परेशान होकर देवता ब्रह्माजी के पास गए।

उन्होंने देवताओं को वरदान के बारे में बताते हुए कहा कि केवल शिवपुत्र ही तारकासुर को मार सकता है, लेकिन शिवजी गहरी समाधि में हैं। इंद्र ने कामदेव से कहा कि वे जाकर शिवजी के मन में देवी पार्वती के प्रति अनुराग जगाएं। कामदेव ने पुष्पबाण ध्यानमग्न शिवजी पर चला दिया। अचानक इस विघ्न से शिवजी बेहद गुस्सा हुए और उन्होंने तीसरे नेत्र से कामदेव को भस्म कर दिया।

# घर में ज्यादा शीशे लगाना शुभ या अशुभ?

**घर में शीशा एक जरूरी चीज है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इसे कितनी संख्या में और किस दिशा में लगाना चाहिए? वास्तु शास्त्र में शीशे को सिर्फ सजावट या चेहरा देखने की चीज नहीं माना जाता, बल्कि इसका संबंध घर की ऊर्जा से भी बताया गया है। वास्तु के अनुसार घर में जरूरत से ज्यादा शीशे लगाने से बचना चाहिए। आइए जानते हैं घर में शीशा लगाने से जुड़े जरूरी नियम।**

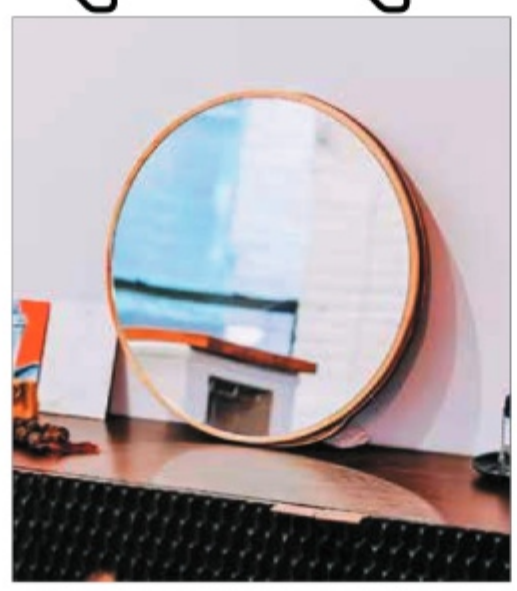

वास्तु मान्यताओं के अनुसार, घर में दो मुख्य शीशे पर्याप्त माने जाते हैं। इनमें एक को पूर्व दिशा और दूसरे को उत्तर दिशा में लगाया जा सकता है। उत्तर दिशा का संबंध धन और समृद्धि से माना जाता है, जबकि पूर्व दिशा को सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा माना गया है। हालांकि, शीशे लगाने के दौरान उनकी स्थिति और प्रतिबिंब का भी ध्यान रखना जरूरी है।

अगर एक ही दिशा में दो शीशे लगाने की जरूरत पड़ जाए तो उन्हें आमने-सामने या बिल्कुल पास-पास लगाने से बचना चाहिए। ऐसा होने पर दोनों शीशों में एक-दूसरे का प्रतिबिंब दिखाई देता है। वास्तु मान्यता के मुताबिक इससे घर की ऊर्जा में असंतुलन पैदा हो सकता है। इसके कारण बेचैनी और मानसिक उलझन बढ़ने की बात भी कही जाती है।

बेडरूम में शीशा लगाते समय विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। कोशिश करें कि सोते समय बेड या शरीर का प्रतिबिंब शीशे में नजर न आए। अगर ऐसा संभव नहीं है तो रात में शीशे को ढक सकते हैं। वास्तु के अनुसार बेड का प्रतिबिंब दिखाई देने से नींद और वैवाहिक रिश्तों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

बाथरूम में भी जरूरत से ज्यादा शीशे लगाने से बचना चाहिए। यहां एक शीशा पर्याप्त माना जाता है। साथ ही शीशे को हमेशा साफ रखना चाहिए और उसमें दरार या टूट-फूट नहीं होनी चाहिए। वास्तु में साफ और सही स्थिति वाले शीशे को ही बेहतर माना जाता है।

वास्तु के अनुसार घर के मुख्य दरवाजे के ठीक सामने शीशा लगाने से बचना चाहिए। मान्यता है कि इससे बाहर से घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा वापस लौट सकती है। लेकिन आप दरवाजे की साइड वाली दीवार पर शीशा लगा सकते हैं। इसे वास्तु में शुभ माना गया है। कहते हैं इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। लेकिन दरवाजे के ठीक सामने शीशा लगाने से बचें।

# बालों की क्वालिटी देखकर चुने कंघी

**बालों की देखभाल के लिए शैंपू, कंडीशनर, कलर, ट्रीटमेंट, हेयर ऑयल और ना जाने कितनी चीजों का लड़कियां ख्याल रखती हैं। लेकिन एक चीज जो अक्सर वो इग्नोर कर देती हैं, वो है कंघी। आपके बालों के लिए कौन सी कंघी अच्छी होगी, इस बात पर जल्दी कोई फोकस ही नहीं करता। घर में रखी जो भी कंघी हाथ ली उसी को लेकर हेयरस्टाइल बनाईं और चल दीं। जबकि बालों की केयर के साथ हेयरस्टाइल बनाने के लिए भी कंघी का अच्छा खासा महत्व होता है। लेकिन अनजाने में लड़कियां इसे इग्नोर करती हैं। जबकि अपने बालों की क्वालिटी देखकर उसी के हिसाब से कंघी चुननी चाहिये। जानें कौन सी कंघी किस तरह के बालों के लिए सही है।**

### पतले दांते वाली कंघी

अगर आपके पतले, सिल्की, स्ट्रेट बाल हैं जो आसानी से मैनेज हो जाते हैं। तो उनके लिए पतले महीन दांते वाले कंघी अच्छी होती है। ऐसे बालों में जब हेयरस्टाइल बनानी हो तो महीन दांतों से स्लीक हेयर बनते हैं। अगर मोटे दांते यूज किए जाते तो पतले और सिल्की बालों को झाड़ने का कोई फायदा ही नहीं होगा। मोटे दांते में कई बाल एक साथ आएंगे और बाल सुलझेंगे नहीं।

### मोटे-चौड़े दांते

अगर बाल कर्ली और घने हैं तो हमेशा मोटे दांते की कंघी का ही इस्तेमाल करना चाहिए। बाल अगर कर्ली होते हैं तो मोटे दांते आराम से इन्हें सुलझा पाते हैं। पतले दांतों में कर्ली बाल फंसते हैं और बहुत ज्यादा टूटने लगते हैं। तो अगर आप बालों को सुलझाना चाहती हैं और टूटने से बचा रहीं तो हमेशा चौड़े दांते का ही इस्तेमाल करें।

### हल्के वेवी बालों के लिए कौन सी कंघी या ब्रश यूज करें

**कुछ लोगों के बाल घने और स्ट्रेट होते हैं। ऐसे बालों में पतली कंघी फंस जाती है। वहीं मोटी कंघी से बाल पूरी तरह से सुलझते नहीं है और उलझे ही रह जाते हैं क्योंकि मोटे दांतों में एक साथ काफी ज्यादा बाल आ जाते हैं और बालों को सुलझा नहीं पाते। ऐसे में इस तरह के वेवी, मोटे बालों के लिए पेडल ब्रश अच्छा ऑप्शन होता है। ऐसे पेडल ब्रश चुनें जिसमे ब्रिसल्स कम हो। साथ ही ये पेडल ब्रश उन लड़कियों के लिए भी अच्छे हैं जिनके बाल लंबे होते हैं और उन्हें एक साथ फटाफट बालों को झाड़ना होता है। यहां तक कि ब्लो ड्राई करने के लिए भी ये पेडल ब्रश बेस्ट रहते हैं। तो अपने बालों की क्वालिटी देखकर कंघी या ब्रश को चुनें। जो बालों को सुंदर दिखाए ना कि कंघी करने से बालों को डैमेज हो और वो उलझकर टूटकर गिरने लगें।**

# आज का राशिफल

**मेष राशि** - रणनीतिक फैसले लेने के लिए दिन अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करेगी। नौकरी में अहम प्रोजेक्ट मिल सकता है। व्यापार में बड़ी कंपनी या सरकारी संस्था से करार की संभावना है। पुराने निवेश से लाभ के संकेत हैं। परिवार में युवा सदस्य की उपलब्धि खुशी देगी।

**वृषभ राशि** - कल मेहनत और धैर्य का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। ऑफिस के रुके काम तेजी से पूरे होंगे। व्यापार में उत्पाद और सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने से मुनाफा बढ़ सकता है। कृषि, डेयरी, रियल एस्टेट और बैंकिंग से जुड़े लोगों को बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। परिवार में बजट और बचत पर चर्चा होगी। काम के साथ सेहत का ध्यान रखें और पर्याप्त नींद लेने की कोशिश करें।

**मिथुन राशि** - आपकी बुद्धि और व्यावहारिक सोच मजबूत रहेगी। कार्यक्षेत्र में जटिल समस्या का समाधान देकर प्रशंसा पाएंगे। व्यापार में ग्राहकों की प्रतिक्रिया के आधार पर बदलाव लाभदायक रहेगा। विद्यार्थियों की नए विषयों में रुचि बढ़ेगी। मीडिया, लेखन, शिक्षण और आईटी से जुड़े लोगों को नई सफलता मिल सकती है। नए प्रयोग करते समय उनके व्यावहारिक पक्ष को भी ध्यान में रखें।

**कर्क राशि** - काम और निजी जीवन में संतुलन बनाना जरूरी होगा। टीम के सहयोग से कार्य समय पर पूरे होंगे। व्यापार में पुराने ग्राहकों से अच्छे ऑर्डर मिल सकते हैं। पारिवारिक मामलों में अनुभवी व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी। घरेलू बजट बनाना भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। परिवार के साथ शाम सुखद बीतेगी। घर में किसी जरूरी विषय पर सभी की सहमति से निर्णय लिया जा सकता है।

**सिंह राशि** - आपका आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता मजबूत रहेगी। नौकरी में चुनौतीपूर्ण टीम की जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में ब्रांड विस्तार के प्रयास सफल होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। परिवार में किसी सदस्य के करियर से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। बड़े फैसले में भरोसेमंद लोगों की राय लेना उचित रहेगा। व्यापार में प्रभावशाली लोगों से मुलाकात भविष्य में लाभ का रास्ता खोल सकती है।

**कन्या राशि** - व्यवस्थित तरीके से काम करने का लाभ मिलेगा। अकाउंट्स, ऑडिट, टैक्स और डेटा से जुड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार में स्टाफ मैनेजमेंट और कार्यप्रणाली सुधारने से लाभ बढ़ेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे। सरकारी या कानूनी काम पूरा होने से राहत मिलेगी। नौकरी में दस्तावेज, लेखा, विश्लेषण या तकनीकी काम करने वालों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

**तुला राशि**- आपकी संवाद क्षमता नए अवसर पैदा करेगी। नौकरी में नई टीम के साथ काम करने का मौका मिल सकता है। व्यापार में साझेदारी या समझौता लाभकारी रहेगा। डिजाइन, कला, इंटीरियर और इवेंट क्षेत्र से जुड़े लोगों को प्रोजेक्ट मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ आर्थिक योजनाओं पर चर्चा होगी।। व्यापार में साझेदारी या संयुक्त प्रयास से लाभ मिलने के संकेत हैं। कला, संगीत, मीडिया और फैशन से जुड़े लोगों को प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है।

**वृश्चिक राशि** - कम बोलकर काम पर ध्यान देना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कठिन प्रोजेक्ट समय से पहले पूरा कर सकते हैं। व्यापार में प्रतिस्पर्धियों की रणनीति समझकर बेहतर योजना बनाएंगे। आर्थिक मामलों में धैर्य रखें। पुराने मित्र या रिश्तेदार से मुलाकात मन प्रसन्न करेगी। सकारात्मक सोच बनाए रखें। व्यापार में नई रणनीति बनाकर प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में बड़े जोखिम लेने से बचें।

**धनु राशि**- नए अवसरों के रास्ते खुलेंगे। शिक्षा, प्रकाशन, पर्यटन, विदेशी व्यापार और कंसल्टेंसी से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। नौकरी में नई जिम्मेदारी सीखने का अवसर देगी। व्यापारिक संपर्क दूसरे शहरों तक बढ़ेंगे। परिवार के साथ यात्रा या धार्मिक कार्यक्रम की योजना बन सकती है। धनु राशि के कल के राशिफल के अनुसार आपको नौकरी में वरिष्ठ अधिकारी काम से संतुष्ट रहेंगे। व्यापार में नए शहरों या ग्राहकों से जुड़ने की योजना आगे बढ़ सकती है।

**मकर राशि** - आपका अनुशासन और धैर्य कठिन कामों को आसान बनाएगा। वरिष्ठ अधिकारी आपके प्रदर्शन से प्रभावित होंगे। व्यापार में मशीनरी, सप्लाई चेन या उत्पादन व्यवस्था में सुधार लाभ देगा। दीर्घकालीन निवेश पर विचार कर सकते हैं। परिवार में जिम्मेदारियां निभाने से सम्मान बढ़ेगा। आराम के लिए समय जरूर निकालें। व्यापार में उपलब्ध संसाधनों का सही इस्तेमाल आर्थिक लाभ बढ़ा सकता है। भविष्य की बचत और आर्थिक योजनाओं को व्यवस्थित करने के लिए दिन अच्छा है। परिवार में आपकी सलाह को महत्व मिलेगा

**कुंभ राशि**- आपकी नई सोच आपको दूसरों से अलग पहचान दिलाएगी। तकनीक, विज्ञान, डिजिटल मार्केटिंग, स्टार्टअप और रिसर्च क्षेत्र में अच्छे अवसर मिल सकते हैं। नौकरी में आपके विचारों को महत्व मिलेगा। व्यापार में ऑटोमेशन से खर्च कम होंगे। दोस्तों के साथ नया प्रोजेक्ट शुरू हो सकता है।व्यापार में ऑनलाइन विस्तार या नई तकनीक अपनाने से फायदा होने के संकेत हैं। मित्रों के साथ किसी रचनात्मक योजना की शुरुआत हो सकती है।

**मीन राशि**- संवेदनशीलता के साथ व्यावहारिक निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी। सहकर्मी की मदद करने से सम्मान मिलेगा। व्यापार में ग्राहकों की जरूरत के अनुसार बनाई योजना लाभ देगी। साहित्य, संगीत, चिकित्सा, योग और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को पहचान मिल सकती है। परिवार में रिश्तों में फिर गर्माहट आएगी।नौकरी में आपकी शांत और सहयोगी कार्यशैली से सहकर्मियों का विश्वास बढ़ेगा।

# खाने में ज्यादा नमक होने पर स्वाद बैलेंस करने के आसान टिप्स

**खाना बनाते समय कभी-कभी नमक या मिर्च अंदाज से थोड़ी ज्यादा पड़ जाती है। ऐसे में पूरी डिश को अलग से बनाने की जरूरत नहीं होती। कुछ आसान तरीकों से खाने का स्वाद काफी हद तक ठीक किया जा सकता है। इसके लिए आपको किचन में मौजूद सामान्य चीजों की ही जरूरत पड़ेगी। आइए जानते हैं ऐसे आसान तरीके, जिनसे ज्यादा नमक या मिर्च वाले खाने का स्वाद बैलेंस किया जा सकता है।**

टमाटर, नींबू या सिरके की थोड़ी मात्रा डालें

अगर सब्जी में नमक थोड़ा ज्यादा हो गया है, तो उसमें थोड़ी टमाटर की प्यूरी, नींबू का रस या सिरका मिलाया जा सकता है। इन चीजों का खट्टा स्वाद नमक के तेज स्वाद को बैलेंस करने में मदद कर सकता है।

इनमें से किसी एक चीज को ही थोड़ी मात्रा में डालें। अच्छी तरह मिलाने के बाद स्वाद चखें। जरूरत लगे तभी थोड़ी और मात्रा डालें। नींबू या सिरका ज्यादा डालने से डिश का स्वाद खट्टा हो सकता है। अगर नमक काफी ज्यादा हो गया है, तो डिश की मात्रा बढ़ाना आसान तरीका है। आप उसी सब्जी की थोड़ी और मात्रा बिना नमक के तैयार करके उसमें मिला सकते हैं। इससे नमक और मसाले ज्यादा मात्रा में फैल जाएंगे और स्वाद हल्का हो जाएगा।

कुछ सब्जियों में उबला हुआ आलू भी मिलाया जा सकता है। इससे सब्जी की मात्रा बढ़ती है और स्वाद भी हल्का महसूस हो सकता है।

थोड़ा पानी डालकर करें स्वाद बैलेंस

ग्रेवी वाली सब्जी, करी या सूप में नमक ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा पानी मिलाया जा सकता है। इससे नमक पूरी डिश में फैल जाता है और उसका स्वाद हल्का हो जाता है। पानी एक साथ ज्यादा न डालें। थोड़ा पानी मिलाकर कुछ देर पकाएं और फिर स्वाद देखें। अगर ग्रेवी ज्यादा पतली हो जाए, तो उसे थोड़ी देर खुला पकाकर गाढ़ा किया जा सकता है। कई बार नमक का स्वाद थोड़ा तेज लग रहा हो, तो एक छोटी चुटकी चीनी मिलाई जा सकती है। चीनी का काम सब्जी को मीठा करना नहीं, बल्कि स्वाद को संतुलित करना है।

### क्रीम या दूध से हल्का करें मसाला

पनीर, मलाई वाली सब्जी या क्रीमी ग्रेवी में नमक या मिर्च ज्यादा हो गई है, तो थोड़ी फ्रेश क्रीम या दूध मिलाया जा सकता है। इससे ग्रेवी का स्वाद हल्का और मुलायम हो जाता है। ध्यान रखें कि दूध या क्रीम हर डिश में सही नहीं लगता। इसलिए इसका इस्तेमाल उन्हीं सब्जियों में करें, जिनमें इसका स्वाद आसानी से मिल सके।

# दृष्टि से जुड़े अंगों को प्रभावित कर सकते हैं कैंसर

**नियमित जांच जरूरी**

बच्चों में कैंसर का इलाज केवल बीमारी को नियंत्रित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उपचार के बाद उनके बेहतर जीवन और दृष्टि जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का भी ध्यान रखना जरूरी है। कैंसर सीधे आंखों को प्रभावित कर सकता है, जबकि कुछ उपचारों के कारण भी लंबे समय में दृष्टि संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। रेटिनोब्लास्टोमा जैसे कुछ कैंसर आंखों से ही शुरू होते हैं। वहीं ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और मस्तिष्क के ट्यूमर जैसे कैंसर भी दृष्टि से जुड़े अंगों को प्रभावित कर सकते हैं। सिर, मस्तिष्क, आंखों या आंखों के आसपास रेडिएशन थेरेपी तथा कुछ कीमोथेरेपी दवाओं और स्टेरॉयड के कारण मोतियाबिंद, आंखों में सूखापन और दृष्टि में बदलाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनमें से कुछ समस्याएं उपचार के दौरान तुरंत सामने नहीं आतीं और कई महीनों या वर्षों बाद भी दिखाई दे सकती हैं। इसलिए बचपन में कैंसर का इलाज करा चुके बच्चों की नियमित और दीर्घकालीन चिकित्सा निगरानी बेहद महत्वपूर्ण है। धुंधला या दोहरा दिखाई देना, रोशनी के प्रति अधिक संवेदनशीलता, रात में देखने में परेशानी, आंखों में दर्द या लालिमा, लगातार सूखापन तथा आंखों की गतिविधि या बनावट में बदलाव जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। छोटे बच्चे अपनी दृष्टि संबंधी परेशानी स्पष्ट रूप से नहीं बता पाते, इसलिए टीवी के बहुत पास बैठना, पढ़ने से बचना, आंखें सिकोड़कर देखना या बार-बार वस्तुओं से टकराना जैसे व्यवहार भी संकेत हो सकते हैं। M.O.C Cancer Care Mumbai की चाइल्डहुड कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. स्वाती कृष्णा ने कहा कि कैंसर का इलाज केवल बच्चे को बीमारी से मुक्त करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसके स्वस्थ और सक्रिय जीवन को सुनिश्चित करना भी जरूरी है। उन्होंने उपचार के दौरान और फॉलो-अप के समय आवश्यकता के अनुसार नियमित आंखों की जांच कराने तथा दृष्टि में किसी भी नए बदलाव पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी।

# महा वॉकथॉन-वॉक फॉर वॉटर: 'जलसंधारण के लिए चलें, सुरक्षित भविष्य बनाएं'

'पानी रोकें, पानी जिरवाएं' (पानी आड़वा, पानी जिरवा) का मूलमंत्र देते हुए राज्य में जलसंधारण का बड़ा आंदोलन खड़ा करने वाले पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत सुधाकरराव नाइक के जन्मदिवस 21 अगस्त को 'जलसंधारण दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया है। इस सिलसिले में राज्य में उस दिन 'महा वॉकथॉन-वॉक फॉर वॉटर', 15 से 21 अगस्त 2026 के दौरान 'जलसंधारण सप्ताह' और 15 अगस्त 2026 से 26 जनवरी 2027 के दौरान 'जलसंधारण अभियान' का आयोजन किया जाएगा। जलसंधारण अभियान को बड़ा प्रोत्साहन देने वाला यह उपक्रम होगा। सतत विकास के लिए मृदा संरक्षण और जलसंधारण आवश्यक है तथा इसका महत्व समझाते हुए जलसंवर्धन को जनआंदोलन का स्वरूप देने का कार्य राज्य सरकार ने हाथ में लिया है और इस जनआंदोलन में राज्य के सभी नागरिकों को शामिल होना चाहिए, ऐसी सरकार की अपेक्षा है। जलसंधारण के लिए चलें। सुरक्षित भविष्य बनाएं!

मृदा व जलसंधारण विभाग की ओर से 'मिट्टी बचाएं, पानी सहेजें, सुरक्षित भविष्य बनाएं' इस संकल्पना पर आधारित सतत विकास के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए 'महा वॉकथॉन 2026-वॉक फॉर वॉटर' का आयोजन किया जाएगा। इस उपक्रम में पानी के संरक्षण को अधिक महत्व दिया गया है और इसके लिए 'पानी रोकें, पानी जिरवाएं, जलयुक्त महाराष्ट्र बनाएं' यह नारा है। सभी जिलों में जलसंधारण दिवस पर अधिकतम * किलोमीटर (महा वॉकथॉन) चलना और मृदा व जलसंधारण की शपथ लेना, इस प्रकार के कार्यक्रम का स्वरूप है।

राज्यस्तरीय विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

इस उपक्रम के सिलसिले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार आदि की उपस्थिति में राज्यस्तरीय कार्यक्रम मुंबई में होगा। प्रत्येक जिले में भी जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और विभिन्न क्षेत्रों के नामचीन लोग, नागरिक, महाविद्यालयीन व स्कूली छात्र आदि की उपस्थिति में कार्यक्रम होंगे। महा वॉकथॉन में शामिल होने के लिए क्यूआर आधारित ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सकता है और उपक्रम में शामिल प्रत्येक व्यक्ति को ई-प्रमाणपत्र मिलेगा। वहीं पहले दस विजेताओं को जिला स्तर पर सम्मान चिह्न दिया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए सोशल मीडिया पर #MahaWalkathon, #WalkForWater,

#SaveSoilSaveWater इन हैशटैग का उपयोग करने की अपील की गई है।

एक रील... पानी के लिए !, एक रील... सुरक्षित भविष्य के लिए !'

जलसंधारण सप्ताह की अवधि में सभी जिलों में 15 से *0 आयु वर्ग के युवाओं के लिए जिलास्तरीय मृदा व जलसंवर्धन रील्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। उनकी सृजनात्मकता के माध्यम से इंस्टाग्राम के जरिए राज्य के कोने-कोने में मृदा व जलसंधारण के बारे में व्यापक जनजागृति पैदा करने के लिए राज्यव्यापी 'Reel for Soil and Water Conservation' प्रतियोगिता आयोजित की गई है। प्रत्येक प्रतियोगी *0 से 60 सेकंड की इंस्टाग्राम रील तैयार करे। छायाचित्रण या रील की शुरुआत में छायाचित्रण और रील का उद्देश्य, अपना पूरा नाम, जिले का नाम प्रतियोगियों द्वारा उल्लेख करना आवश्यक है। रील अपने सार्वजनिक इंस्टाग्राम खाते से पोस्ट की जाए। मृदा व जलसंधारण विभाग के आधिकारिक इंस्टाग्राम खाते को भी टैग करना अनिवार्य रहेगा। इसके लिए आधिकारिक हैशटैग #SaveSoilSaveWater का उपयोग करना अनिवार्य होगा। इससे एक ही हैशटैग के तहत रिकॉर्ड संख्या में रील्स तैयार होंगी और बड़े डिजिटल सहभाग की नोंद होगी। प्रतियोगिता के लिए एक आधिकारिक क्यूआर कोड तैयार किया गया है और क्यूआर स्कैन करने के बाद पंजीकरण रील की लिंक सबमिट जिला चयन सत्यापन सहभाग प्रमाणपत्र जैसी सरल प्रक्रिया होगी। इंस्टाग्राम हैशटैग के साथ स्वतंत्र डिजिटल पंजीकरण किए जाने के कारण सरकार के पास प्रत्येक प्रतिभागी की आधिकारिक नोंद उपलब्ध रहेगी। रील्स अपलोड करने की अवधि 15 से 21 अगस्त 2026 है।

क्रिएटिव, हास्यव्यंग्य, शॉर्ट फिल्म, बिफोर-आफ्टर, ड्रोन विजुअल्स या अन्य नवीन पद्धतियों का उपयोग किया जा सकेगा। हालांकि रील का मुख्य संदेश मिट्टी और पानी के संरक्षण से संबंधित होना आवश्यक रहेगा।

# अबतक नही टूटी प्रशासन की नींद -गरियाबंद के ग्राम रूवाड़ स्कूल के सामने 06 दिन से छात्रो के साथ पालको का आंदोलन जारी

## शासन प्रशासन के खिलाफबढता गुस्सा शिक्षा विभाग के बड़े अफ्सर बेखबर

**गरियाबंद।** गरियाबंद जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र रसेला रूवाड़ मे सैकड़ो छात्र छात्राओं एवं पालको ने स्कूल भवन की मांग को लेकर जर्जर स्कूल भवन के सामने जहां एक ओर ताला लगा दिये है वहीं दूसरी ओर 11 अगस्त से लगातार शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर अपने मांग मंगवाने लगे हुए है लेकिन शिक्षा विभाग के जिला स्तर के अफ्सर बेखबर बने हुए है शायद उन्हे कोई बड़ा आंदोलन का इंतजार है बदहाल सिस्टम के चलते गांव के छात्र छात्राएं पढाई लिखाई को छोड़कर मजबूरन स्कूल भवन जैसे महत्वपूर्ण मांगो को लेकर आंदोलन करने को विवश हो रहे है और तो और आजादी के 80 वर्ष 15 अगस्त को स्कूल के सामने छात्र छात्राओं व पालको ने ध्वजारोहण कर आजादी का त्यौहार मनाया साथ ही अपना धरना प्रदर्शन आंदोलन जारी रखा है। ग्राम के वरिष्ठ नागरिक यशवंत सोरी, कृष्ण कुमार ठाकुर (ग्राम पटेल), उदेराम नेताम, अलाल सिंह नागेश, ललितराम नेताम, दयाराम नागेश, गंगाराम

नेताम, बलदेव सिंह, दाऊलाल, विजयकृष्ण नागेश, महेश सोरी, हरिसिंह दीवान, दयालु राम दीवान, मोहन सिंह, प्रेम कुमार, दिलेश नेताम, दशरथ नेताम, रोहित नेताम, तुलसराम, लादाबाहरा से हीरालाल, परसराम, बिसाहू राम, केरगांव से हीरा राम, खगेश मरकाम, भगतराम ने बताया सरकार द्वारा यहां मिडिल स्कूल का जो निर्माण किया गया है वह बेहद जर्जर हो गया है और इसी जर्जर स्कूल मे मिडिल स्कूल मे हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल संचालित हो रहा है। पालको और ग्रामीणों के द्वारा चंदा एकत्र कर दो लाख रूपए की लागत से एक टिन का शेड का निर्माण किया गया है उस टिन शेड के नीचे बच्चे पढाई करने मजबूर हो रहे है। इस समस्या से छत्तीसगढ के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव एवं गरियाबंद जिले के आला अफ्सरो को कई बार आवेदन किया गया लेकिन अबतक समस्या पर विचार नही किया गया है बच्चो को पढाई करने के लिए जहां एक ओर जगह नही है। वहीं उन्हे जो सुविधाएं मिलनी चाहिए नही मिल पा रही है मजबूरन पढाई लिखाई छोड़कर बच्चे व पालक पिछले 06 दिनों से स्कूल के सामने गेट मे ताला जड़कर आंदोलन करने को मजबूर हो रहे है।अफ्सरो के उदासीन रवैये से बढी नाराजगी - एक तरफ राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा बेहतर शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने की दावे करती नही थकी जा रही है। आज शहरो के स्कूलों मे तमाम तरह की सुविधाएं और डिजिटल क्लास संचालित हो रहा है। ठीक इसके विपरित आदिवासी वनांचल क्षेत्र के ग्रामीण ईलाको के बच्चो को जहां एक ओर पढाई करने के लिए भवन कमरा नसीब नही हो पा रहा है वहीं शिक्षको की भारी कमी से पढाई प्रभावित हो रहा मजबूर होकर छात्र और पालक आंदोलन की राह पकड़ रहे है ऐसे समय में चाहिए कि संबंधित विभाग के जिम्मेदार अफ्सर मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों और छात्रो की जायज मांगो को गंभीरता से सुने और उनके समाधान करने की दिशा मे ठोस कदम उठाया जाये लेकिन जिले मे एक अलग ही तरह की शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों का रवैया दिखाई दे रहा है जिसके कारण ग्रामीणों और छात्रो का आक्रोश बढता जा रहा है। आदिवासी नेत्री लोकेश्वरी नेताम ने किया छात्रों के आदोलन का समर्थन - आदिवासी महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती लोकेश्वरी नेताम, आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष उमेंन्दी कोर्राम ने भी छात्रो के आंदोलन को जायज बताते हुए कहा आदिवासी क्षेत्र के बच्चो को शिक्षक और स्कूल भवन जैसे समस्याओं के लिए आंदोलन करना पड़ रहा है जल्द समस्या का समाधान नही किया गया तो हम स्वयं बच्चो के समर्थन मे आंदोलन मे शामिल होंगें।

# बिजली कटौती से परेशान किसानों का प्रदर्शन, सप्ताहभर में समाधान नहीं तो घेराव

**कवर्धा।** खेली बिजली कार्यालय में क्षेत्र के किसानों की बिजली संबंधी समस्याओं को लेकर मंगलवार को सांकेतिक प्रदर्शन किया गया। कवर्धा ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मणिकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसान एवं कांग्रेस कार्यकर्ता बिजली कार्यालय पहुंचे और संबंधित अधिकारी से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। किसानों ने कहा कि क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती और अनियमित विद्युत आपूर्ति के कारण खेती-किसानी प्रभावित हो रही है। विद्युत व्यवस्था की बदहाली से किसानों को सिंचाई में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी फसल पर भी संकट उत्पन्न हो रहा है। किसानों ने विभागीय अधिकारी से सभी समस्याओं का एक सप्ताह के भीतर संतोषजनक एवं स्थायी समाधान करने की मांग की।

**एक सप्ताह की मोहलत, समाधान नहीं तो होगा घेराव-** प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं किसानों ने बिजली विभाग को दो टूक चेतावनी दी कि एक सप्ताह की मोहलत केवल समस्याओं के समाधान के लिए है, उन्हें टालने के लिए नहीं। निर्धारित समय-सीमा में समस्याओं का संतोषजनक निराकरण नहीं होने पर क्षेत्र के किसानों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बिजली कार्यालय का घेराव कर उग्र जनआंदोलन करने की चेतावनी दी गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि किसान अपनी मेहनत और पसीने से अन्न पैदा करता है, लेकिन बिजली की अव्यवस्था के कारण उसकी फसल और मेहनत दोनों संकट में पड़ रहे हैं। किसानों के धैर्य की अब परीक्षा नहीं ली जानी चाहिए। समय रहते विद्युत व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो आगामी आंदोलन की पूरी जवाबदेही बिजली विभाग की होगी। सांकेतिक प्रदर्शन में मणिकांत त्रिपाठी, किरण शर्मा, हीरा राँय, योगदत्त, गोकुल साहू, मनोज जायसवाल, दली साहू, शिवप्रसाद नवरंग, प्रमोद जायसवाल सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान एवं कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# वर्मी कम्पोस्ट खाद निर्माण से महिला समूह को आजीविका का नया अवसर

**कवर्धा।** विकासखण्ड बोड़ला के ग्राम धिरसाटोला, पंचायत अंधरीकछार में जय मां सरस्वती महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्थायी आजीविका से जोड़ने के उद्देश्य से सीएमएस फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से शिखर युवा मंच द्वारा वर्मी कम्पोस्ट खाद निर्माण का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए रोजगार एवं आय के स्थायी अवसरों से जोड़ना तथा जैविक खेती को बढ़ावा देना है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को वर्मी कम्पोस्ट खाद तैयार करने की पूरी प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी दी गई। इसमें वर्मी कम्पोस्ट टंकी एवं बेड तैयार करना, जैविक अपशिष्ट एवं गोबर का उचित उपयोग, केंचुओं की देखभाल, नमी बनाए रखना, खाद तैयार होने की प्रक्रिया तथा तैयार खाद के सुरक्षित भंडारण की जानकारी शामिल रही। महिलाओं को बताया गया कि घर एवं गांव से निकलने वाले जैविक कचरे का उपयोग कर

गुणवत्तापूर्ण जैविक खाद तैयार की जा सकती है, जिससे स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ अतिरिक्त आय भी प्राप्त की जा सकती है। महिला समूह को वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन शुरू करने के लिए शिखर युवा मंच द्वारा 10 किलोग्राम केंचुआ उपलब्ध कराने तथा वर्मी कम्पोस्ट टंकी निर्माण हेतु वित्तीय सहयोग भी प्रदान किया गया। इस सहयोग से समूह को प्रशिक्षण के साथ आवश्यक संसाधन उपलब्ध हुए हैं, जिससे महिलाएं व्यावहारिक रूप से वर्मी कम्पोस्ट खाद का उत्पादन शुरू कर सकेंगी। प्रशिक्षण के पश्चात जय माँ सरस्वती महिला स्व-सहायता समूह की सदस्याएं वर्मी कम्पोस्ट खाद निर्माण में सक्रिय रूप से जुड़ रही हैं। समूह द्वारा तैयार खाद का उपयोग स्थानीय कृषि कार्यों में किया जा सकेगा तथा भविष्य में इसके विक्रय से समूह की आय में वृद्धि की संभावना है। इससे महिलाओं को गांव में ही रोजगार एवं अतिरिक्त आय का अवसर प्राप्त होगा और वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी। यह पहल महिला सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन, जैविक खेती, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सीएमएस फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग एवं शिखर युवा मंच के मार्गदर्शन से संचालित यह प्रयास ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा स्थानीय स्तर पर टिकाऊ आजीविका के अवसर विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

# 10 हजार नहीं, अब सिर्फ 5 हजार में नियमित होंगे अवैध नल कनेक्शन

**कवर्धा।** नगर पालिका परिषद कवर्धा ने शहर में वर्षों से संचालित अवैध नल कनेक्शनों को नियमित करने के लिए बड़ी राहत भरी पहल की है। परिषद की बैठक में स्वीकृति के बाद अब 16 अगस्त से 15 अक्टूबर तक विशेष अभियान के तहत अवैध कनेक्शनों का नियमितीकरण किया जायेगा। इसके तहत आवासीय अवैध नल कनेक्शन को मात्र 5 हजार रुपये जमा कर वैध कराया जा सकेगा, जबकि व्यवसायिक नल कनेक्शन के नियमितीकरण के लिए 10 हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं। इस विशेष अभियान से एक ओर हजारों उपभोक्ताओं को अपने पुराने अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने का अवसर मिलेगा, वहीं दूसरी ओर नगर पालिका के राजस्व में भी वृद्धि होगी।नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे नल कनेक्शन संचालित हो रहे हैं, जो नगर पालिका के रिकॉर्ड में विधिवत दर्ज नहीं हैं। इन कनेक्शनों के नियमित नहीं होने से जलकर के राजस्व वसूली पर प्रभाव पड़ रहा है और जलापूर्ति व्यवस्था के उचित प्रबंधन में भी कठिनाई उत्पन्न हो रही है जिसे देखते हुए नगर पालिका परिषद की बैठक में नगरीय

क्षेत्रांतर्गत संयोजित सभी अवैध नल कनेक्शनों के नियमितीकरण को लेकर चर्चा की गई। चर्चा उपरांत परिषद ने शहरवासियों को विशेष अवसर प्रदान करते हुए दो माह की निर्धारित अवधि में कम शुल्क पर अवैध कनेक्शनों को वैध कराने की स्वीकृति सर्वसम्मति से प्रदान की गई।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नारायण साहू ने बताया कि नगर पालिका का उद्देश्य शहर के नागरिकों को राहत देने के साथ ही सभी नल कनेक्शनों को रिकॉर्ड में शामिल कर जलकर वसूली व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाना है उन्होंने बताया कि नगर पालिका परिषद ने 16 अगस्त से 15 अक्टूबर तक निर्धारित विशेष अवधि में ही आवासीय कनेक्शन के लिए 5 हजार रुपये तथा व्यवसायिक कनेक्शन के लिए 10 हजार रुपये जमा कर नियमितीकरण कराया जा सकेगा। समय-सीमा के उपरांत यदि कोई व्यक्ति अपने अवैध नल कनेक्शन को वैध कराने के लिए आवेदन करता है तो उसे परिषद द्वारा निर्धारित राशि का दोगुना शुल्क जमा करना होगा। अर्थात निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद कनेक्शनों के नियमितीकरण हेतु आवासीय हेतु 10 हजार एवं व्यवसायिक हेतु 20 हजार रू. की राशि देना होगा।

**इन दस्तावेजों के साथ जमा करे आवेदन-** परिषद ने समस्त अवैध नल कनेक्शनों को नियमित करने की स्वीकृति के साथ अवैध कनेक्शनों का नियमितिकरण हेतु दस्तावेज जो अनिवार्य है क्रमशः आधार कार्ड, राशन कार्ड, स्वामित्व दस्तावेज (जहां नल कनेक्शन लगा है जैसे संपत्तिकर/समेकित कर रशीद, पट्टा, स्टाम्प आदि), 50 रू. का स्टाम्प पेपर निर्धारित प्रपत्र में कार्यालय के कक्ष क्रं. 22 में जमा कर एकमुश्त राशि जमा की जा सकती है। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस विशेष अवसर का लाभ उठाते हुए 15 अक्टूबर से पहले अपने अवैध नल कनेक्शन का नियमितीकरण करा लें। इससे भविष्य में अधिक शुल्क और अन्य प्रशासनिक कार्रवाई की स्थिति से बचा जा सकेगा।

# 'बने खाबो बने रहिबो' अभियान के तहत बिना लाइसेंस संचालित प्रतिष्ठान सील, खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए भेजे गए लैब

**दुर्ग।** आगामी रक्षाबंधन और तीज त्योहारों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा शुद्ध व सुरक्षित खाद्य पदार्थ सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार और अभिहीत अधिकारी (खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला-दुर्ग) के मार्गदर्शन में विभाग की टीम शहर में लगातार जांच कार्रवाई कर रही है। विभागीय अधिकारी जितेन्द्र कुमार ने बताया कि राज्य स्तरीय 'बने खाबो बने रहिबो' शीर्षक के अंतर्गत 7 दिवसीय विशेष जांच अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में अभियान के दूसरे दिन, मंगलवार 18 अगस्त 2026 को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई

करते हुए बैकुंठ धाम, पावर हाउस स्थित फर्म 'मुस्कान फूड प्रोडक्ट' (संचालक पप्पू सिंह) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकान से बेसन बर्फी एवं मैसूर पाक के नमूने संकलित कर प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए हैं। इसके साथ ही, जांच में प्रतिष्ठान का वैध खाद्य अनुज्ञप्ति/पंजीयन नहीं पाया गया, जिसके चलते खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम 2006 के तहत कड़ी कार्रवाई करते हुए संबंधित परिसर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया है। इससे पूर्व सोमवार 17 अगस्त को भी विभाग की टीम द्वारा दो व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापामारी कर संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु एकत्र किए गए थे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि आमजनों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए जिले भर में यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

# सड़क पर अवरोध बर्दाश्त नहीं 09 के विरुद्ध बीएनएस धारा 152 के तहत कार्यवाही

## नेशनल हाईवे, सर्विस रोड एवं प्रमुख मार्गों को यातायात बाधा मुक्त करने लगातार अभियान जारी

सड़क पर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध वाहन हटाने एवं नो-पार्किंग में ई-चालान की कार्यवाही ।

नगर निगम के सहयोग से दुकानों के सामने सड़क पर रखे सामान एवं अतिक्रमण हटाकर मार्ग कराया जा रहा क्लियर।

**दुर्ग।** पुलिस अधीक्षक दुर्ग श्री विजय अग्रवाल के निर्देश पर यातायात पुलिस दुर्ग थाना सुपेला थाना छावनी द्वारा शहर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों, नेशनल हाईवे एवं सर्विस रोड पर यातायात को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान सड़क एवं सर्विस रोड पर वाहन खड़ा कर यातायात बाधित करने वाले वाहनों को हटाया जा रहा है तथा नो-पार्किंग के प्रकरणों में ई-चालान की कार्यवाही की जा रही है। साथ ही नगर निगम के सहयोग से दुकानों के सामने सड़क पर रखे सामान एवं अन्य अतिक्रमण हटाकर सार्वजनिक मार्ग को यातायात के लिए बाधामुक्त किया जा रहा है।इसी क्रम में सार्वजनिक मार्ग पर अवरोध उत्पन्न करने के मामलों में ब्रह्स की धारा 152 के तहत 09 व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित थानों में कार्यवाही की गई।1. बलविंदर सिंह, निवासी राजनांदगांव गांव। 2. शानके श्रीवास्तव, पिता प्रकाश श्रीवास्तव, निवासी कैलाश नगर। 3. 3. मोईदीन खान, पिता साकिदीन खान, निवासी बालोद।4. शैलेश कुमार साव, पिता प्रकाश साव, निवासी कैंप-1 भिलाई।5. इंदर लाल लहरे, पिता सीताराम लहरे, निवासी शास्त्री नगर।

6. सत्रो कुमार साव, पिता परमेश्वर साव, निवासी रायपुर।7 से 9. ब्रिज के नीचे कंडम वाहन खड़ा कर मार्ग में अवरोध उत्पन्न करने वाले 03 वाहन मालिक। यातायात पुलिस दुर्ग की अपील:- व्यापारी एवं आम नागरिक सड़क अथवा सर्विस रोड पर वाहन खड़ा न करें तथा दुकानों के सामने सड़क पर सामान रखकर यातायात बाधित न करें। यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें। सड़क सार्वजनिक आवागमन के लिए है–अतिक्रमण एवं अवरोध के लिए नहीं।

# बाल समुन्द जलाशय मे होगा बाढ़ आपदा बचाव पर मॉक एक्सरसाइज का आयोजन

## कलेक्टर ने सभी आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

**बलौदाबाजार।** राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर बाढ़ आपदा से बचाव पर जिला स्तरीय मॉक एक्सरसाइज 20 अगस्त 2026 को पलारी स्थित बाल समुन्द जलाशय मे किया जाएगा। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समय -सीमा की बैठक मे मॉक एक्सरसाइज की तैयारी की समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित विभाग के अधिकारियो को आवश्यक तैयारी के साथ मौके पर उपस्थित रहने के निर्देश दिये। मॉक एक्सरसाइज प्रातः 9 बजे से बाल समुन्द जलाशय मे शुरू होगा जिसमें पुलिस,राजस्व,जिला सेनानी,जल संसाधन,जनसम्पर्क,स्वास्थ्य, लोक निर्माण, विद्युत,खाद्य,पीएचई,परिवहन,पंचायत एवं ग्रामीण विकास, औद्योगिक सुरक्षा, कोषालय,कृषि,पशु चिकित्सा एवं दूरसंचार विभग के अधिकारी शामिल होंगे। मॉक ड्रिल आयोजन हेतु अपर कलेक्टर ए.आर. टंडन को जिला इंसिडेंट कमांडर,सभी एसडीएम को अनुविभाग इंसिडेंट कमांडर बनाए गए हैं। कलेक्टर शर्मा ने स्वामित्व योजना अंतर्गत तहसील टुण्डरा एवं कसडोल द्वारा स्वामित्व कार्ड वितरण पूर्ण करने वाला पहला तहसील

बनने पर सरहना करते हुए अन्य तहसीलो को अगले 25 दिन मे स्वामित्व कार्ड वितरण पूर्ण कराने के निर्देश दिये।उन्होंने बताया कि स्वामित्व कार्ड वितरण मे बलौदाबाजार भाटापारा जिला प्रदेश मे दूसरा स्थान पर है। उन्होंने सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान अंतर्गत योजनाओं के संतृप्तिकरण हेतु जिले के सभी ग्राम पंचायतों मे आगामी 20 अगस्त से लगने वाले शिविरकी तैयारी के सम्बन्ध मे आवश्यक निर्देश दिये।

इस दौरान ई -ऑफिस,सीएम हेल्पलाइन, लंबित राजस्व प्रकरण, सीपी ग्राम्स,मुख्यमंत्री जनदर्शन,एग्रीस्टेक पंजीयन, डिजिटल किसान किताब, सेवा सेतु पोर्टल,न्यायालयीन प्रकरण आदि की समीक्षा की गई।बैठक में नवपदस्थ डीएफओ पंकज कुमार कमल,सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल,अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ति गोते,ए. आर. टंडन, निशा नेताम मड़ावी, सीमा ठाकुर सहित सभी एसडीएम,जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

# सावन में आस्था का सैलाब : देवेंद्र यादव निकालेंगे भव्य कांवड़ यात्रा, देवबलौदा में होगा रुद्राभिषेक

भिलाई। सावन के पावन अवसर पर भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 24 अगस्त को भव्य कांवड़ यात्रा निकालेंगे। भगवान भोलेनाथ की भक्ति और आस्था से सराबोर इस यात्रा में भिलाई-दुर्ग सहित आसपास के हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। कांवड़ यात्रा की शुरुआत दुर्ग स्थित शिवनाथ नदी से होगी। विधायक देवेंद्र यादव सुबह शिवनाथ नदी में स्नान कर भगवान शिव की पूजा-अर्चना करेंगे और जलाभिषेक करेंगे। इसके बाद वे कांवड़ में पवित्र जल लेकर प्राचीन शिव मंदिर देवबलौदा के लिए पैदल रवाना होंगे। देवबलौदा पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया जाएगा। इसके बाद विधि-विधान से रुद्राभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना होगी। इस दौरान श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए कांवड़ यात्रा में शामिल होंगे। हर वर्ष होने वाली इस कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्त उत्साह के साथ हिस्सा लेते हैं। यात्रा के दौरान डीजे पर भक्ति गीतों की गूंज, आकर्षक झांकियां और भगवान शिव के जयकारों से पूरा मार्ग भक्तिमय नजर आता है। सावन में होने वाला यह आयोजन भिलाई-दुर्ग क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में शामिल है। विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि सावन भगवान शिव की आराधना और भक्ति का पवित्र महीना है। कांवड़ यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि श्रद्धा, आस्था और आपसी भाईचारे का पर्व है। इसमें हर वर्ग के लोग भगवान भोलेनाथ की भक्ति में शामिल होते हैं। उन्होंने शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में शामिल होने और श्रद्धा के साथ भगवान शिव की आराधना करने की अपील की।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com